सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 125 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, सोमवार 16 फरवरी 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

टी-20 विश्वकप में भारत ने पाकिस्तान को हराया, छत्तीसगढ़ में देररात तक जश्न और आतिशबाजी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। टी-20 वर्ल्डकप के सबसे बड़े मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को 61 रन से हराकर लगातार तीसरी जीत दर्ज की। 18वें ओवर की आखिरी गेंद पर हार्दिक ने उसमान तारीक को बोल्ड कर भारत को जीत दिला दी। इसके साथ ही दुर्ग भिलाई सहित पूरे छत्तीसगढ़ में देर रात तक फैन्स जश्न मनाते रहे।

छत्तीसगढ़ के अलग-अलग जिलों में आतिशबाजी की गई। रायपुर के जयस्तंभ चौक पर बड़ी संख्या में क्रिकेट प्रेमी जुटे। ढोल-नगाड़ों की थाप, तिरंगा लहराते युवा और देशभक्ति गीतों पर झूमते फैंस ने माहौल को पूरी तरह उत्सव में बदल दिया। दुर्ग भिलाई में भिलाई में जमकर आतिशबाजी हुई। महाशिवरात्री की खुशी के बीच लोगों ने भारतीय टीम का तांडव भी देखा।

सुपर 8 के लिए किया क्वालीफाई

कोलंबो में भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान को 61 रनों से हरा दिया है। टूर्नामेंट के इतिहास में यह भारत की पाकिस्तान पर रनों के लिहाज से सबसे बड़ी जीत है। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम ने सुपर-8 राउंड के लिए क्वालिफाई कर लिया है। टीम लगातार 3 जीत के साथ ग्रुप ए की पॉइंट्स टेबल के टॉप पर है।

176 रन चेज नहीं कर पाई पाक

176 रन का टारगेट चेज कर रही पाकिस्तानी टीम 18 ओवर में 114 रन पर ऑलआउट हो गई। भारत के लिए बुमराह, अक्षर, वरुण और हार्दिक पंड्या ने 2-2 विकेट झटके। इससे पहले टॉस हारकर पहले बैटिंग करते हुए भारतीय टीम ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 175 रन बनाए। इशान ने धुंआदार 77 रनों की पारी खेली।

खास-खबर

कुट्टू का आटा खाकर 40 से ज्यादा बीमार

नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट की इको विलेज-3 रॉयल कोर्ट और हिमालय प्राइड सोसाइटियों में महाशिवरात्रि के व्रत के दौरान कुट्टू का आटा खाने से 40 से अधिक लोग बीमार पड़ गए। कई लोगों की हालत बिगड़ने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। दोनों सोसाइटियों में अचानक बड़ी संख्या में लोग बीमार होने से दहशत का माहौल बन गया। इको विलेज-3 के निवासियों के अनुसार, महाशिवरात्रि पर शाम को व्रत खोलने के लिए कुट्टू के आटे से बने पकवान खाए गए। सेवन के कुछ ही देर बाद लोगों को पेट दर्द, उल्टी और दस्त की शिकायत होने लगी। देखते ही देखते 25 से अधिक लोग बीमार पड़ गए। गंभीर हालत वाले मरीजों को तुरंत निजी अस्पतालों में भर्ती कराया गया।

सिंचाई योजना के लिए 7.15 करोड़ स्वीकृत

रायपुर। छत्तीसगढ़-शासन, जल संसाधन विभाग द्वारा बिलासपुर जिले के विकासखण्ड-कोटा अंतर्गत केंदा व्यपवर्तन योजना की नहरों सुदृढ़ीकरण एवं लाईनिंग कार्य के लिए 3 करोड़ 22 लाख 73 हजार रुपये स्वीकृत किये गये हैं। योजना के प्रस्तावित कार्यों के पूर्ण होने पर योजना का रूपांकित सिचांई क्षेत्र 1093 हेक्टेयर में 663 हेक्टेयर की हो रही कमी की पूर्ति सहित पूर्ण रूपांकित क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी। विकासखण्ड-कोटा के अंतर्गत सल्का नवागांव उद्वहन सिंचाई योजना के मुख्य नहर के जीर्णोद्धार एवं माईनर नहरों में सीमेंट कांक्रीट लाईनिंग कार्य हेतु 3 करोड़ 92 लाख 48 हजार रुपए स्वीकृत किये गये हैं।

गोलीबारी मामले में छह आरोपी गिरफ्तार

मुंबई। फिल्म निर्माता-निर्देशक रोहित शेट्टी के जुहू स्थित घर पर हुई गोलीबारी मामले में अब बड़ा एक्शन हुआ है। इसमें छह अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। मुंबई पुलिस क्राइम ब्रांच के अनुसार, आरोपियों को राजस्थान में पकड़ा गया और उन्हें मुंबई लाया जा रहा है। इस मामले में अब तक कुल 11 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। मुंबई क्राइम ब्रांच इस मामले में लगातार सीसीटीवी कैमरे की फुटेज के आधार पर जांच कर रही है। हाल ही में इस घटना को लेकर इंडियन मोशन पिक्चर प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन (आईएमपीए) ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को पत्र लिखा था।

चुनाव आयोग का एक्शन : सात अफसर निलंबित

कोलकाता ए.। पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण के काम में लगे सात अधिकारियों को निलंबित किया गया है। चुनाव आयोग ने गंभीर कदाचार के आरोप में इन अधिकारियों को हटा दिया है। राज्य के मुख्य सचिव को अनुशासनात्मक कार्यवाही शुरू करने का निर्देश भी दिया गया है। दोषी पाए गए सभी अफॅसर एसआईआर प्रक्रिया में सहायक मतदाता पंजीकरण अधिकारी के रूप में कार्यरत थे।

24 साल में 25 गुना बढ़ा बजट

24 फरवरी को पेश होगा छत्तीसगढ़ का बजट, वित्त मंत्री ओपी चौधरी बोले- ज्ञान-गति के बाद इस बार भी होगा नया थीम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार का बजट 24 फरवरी को विधानसभा में पेश किया जाएगा। वित्त मंत्री ओपी चौधरी साय सरकार का अपना तीसरा बजट पेश करेंगे। राज्य बनने के बाद इन 24 वर्षों में छत्तीसगढ़ का बजट 25 गुना बढ़ गया है। बजट सत्र के संबंध में जानकारी देते हुए वित्तमंत्री ओपी चौधरी ने बताया कि राज्य विधानसभा का बजट सत्र 23 फरवरी से शुरू हो रहा है। इसके दूसरे दिन 24 फरवरी को बजट पेश किया जाएगा। वित्तमंत्री ने कहा कि ज्ञान-गति के बाद इस बार भी नए थीम के साथ बजट पेश किया जाएगा। इस बार का बजट विजन 2047 को अधार बनाकर पेश किया जाएगा।

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने बताया कि बजट सत्र 23 फरवरी से शुरू होगा जो 20 मार्च तक चलेगा। इस दौरान कुल 15 बैठकें होंगी। सत्र के पहले दिन राज्यपाल रमेन डेका सदन को संबोधित करेंगे। उनके अभिभाषण के साथ ही बजट सत्र की शुरुआत होगी। राज्यपाल अपने संबोधन में सरकार की नीतियों, उपलब्धियों और आगे की योजनाओं की जानकारी देंगे। बजट सत्र के दौरान राज्य सरकार वित्तीय वर्ष के आय-व्यय का विवरण सदन में पेश करेगी। इसके साथ ही विकास कार्यों जनहित से जुड़े मुद्दों और सरकारी योजनाओं पर विस्तार से चर्चा होगी।

5 हजार 700 करोड़ रुपए का था पहला बजट

छत्तीसगढ़ के पहले मुख्यमंत्री अजित जोगी के शासनकाल में प्रदेश का पहला बजट पेश किया गया बजट 5 हजार 700 करोड़ रुपए का था। इसके बाद हर साल बजट में बढ़ोत्तरी होती रही। साल 2024-25 में वित्तमंत्री ओपी चौधरी ने 1 लाख 47 हजार 446 करोड़ का बजट पटल पर रखा गया। यानी 24 साल में छत्तीसगढ़ का बजट लगभग 25 गुना बढ़ गया। इस साल वित्तमंत्री ओपी चौधरी का तीसरा बजट है और पिछले वित्तीय वर्ष की अपेक्षा इस बार फिर से बढ़ने की संभावना है।

डॉ रमन सिंह ने सर्वाधिक 12 बार पेश किया बजट

मुख्यमंत्री व वित्तमंत्री रहते हुए डॉ रमन सिंह ने सबसे ज्यादा 12 बार प्रदेश बजट पेश किया। डॉ रमन सिंह ने 2007-8 से 2018-19 तक कुल 12 बार बजट प्रस्तुत किया। डॉ रमन से पहले अजित जोगी के मुख्मंत्री रहते उनके कार्यकाल में वित्तमंत्री रामचंद्र सिंहदेव ने 3 बार बजट प्रस्तुत किया। डॉ रमन के मुख्यमंत्री बनने के बाद तीन साल तक वित्तमंत्री के रूप में अमर अग्रवाल ने बजट प्रस्तुत किया। इसके बाद मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पांच साल तक बजट प्रस्तुत किया।

छत्तीसगढ़ में कक्षा 5वीं- 8वीं का कोई भी छात्र नहीं होगा फेल

शिक्षा विभाग का फैसला, असफल होने पर मिलेगा दोबारा मौका

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में 5वीं- 8वीं कक्षा की वार्षिक परीक्षा का टाइम टेबल जारी हो गया है। 5वीं कक्षा की वार्षिक परीक्षा 16 मार्च से शुरू होगी, जबकि 8वीं कक्षा की परीक्षा 17 मार्च से आयोजित की जाएगी। स्कूल शिक्षा विभाग ने 5वीं और 8वीं की केंद्रीकृत परीक्षा को लेकर स्पष्ट किया है कि, इस साल किसी भी बच्चे को फेल नहीं किया जाएगा।

विभाग के फैसले के मुताबिक यदि कोई छात्र मुख्य परीक्षा में सफल नहीं हो पाता है, तो उसे सप्लीमेंट्री परीक्षा का मौका दिया जाएगा। इतना ही नहीं उसमें भी सफल नहीं होने पर छात्र को अगली कक्षा में प्रवेश दिया जाएगा।

16 मार्च से 5वीं, 17 मार्च से 8वीं की परीक्षा

इस साल घोषित समय-सारणी के अनुसार 5वीं की परीक्षा 16 मार्च से और 8वीं की 17 मार्च से शुरू होगी। बता दें कि छत्तीसगढ़ में इसी सत्र से पांचवी और आठवीं की केंद्रीकृत परीक्षा आयोजित की जाएगी। साय कैबिनेट के फैसले के बाद कक्षा 5वीं और 8वीं की केंद्रीकृत परीक्षा लेने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग ने दिशा निर्देश दिया था। इस संबंध में प्रदेश के सभी कलेक्टर और जिला शिक्षा अधिकारी को आदेश जारी किया गया है।

गर्मी बढ़ी, रायपुर में पारा 33 डिग्री के करीब

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मौसम ड्राई बना हुआ है। ठंड का असर भी कम होता दिखाई पड़ रहा है। इस समय दिन में गर्मी और सुबह-शाम हल्की ठंड का असर बना हुआ है। वहीं पिछले 4-5 दिनों के भीतर राज्य के औसतन तापमान में 1 से 2 डिग्री की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इसके अलावा मौसम में कोई विशेष बदलाव नहीं हुआ है। अगले 7 दिन यही ट्रेंड जारी रहने का अनुमान है। पिछले 24 घंटों में प्रदेश का सबसे ज्यादा अधिकतम तापमान 32.9 डिग्री रायपुर और सबसे कम न्यूनतम तापमान 9. 8 डिग्री अंबिकापुर में दर्ज किया गया है। राज्यभर में बारिश के आंकड़े शून्य रहे। रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, जगदलपुर, अंबिकापुर और पेंड्रा में दिन का तापमान सामान्य से करीब 2-3 डिग्री सेल्सियस ज्यादा दर्ज किया गया है, जिससे दिन में गर्मी बढ़ गई है। फिलहाल, कोई सिनॉप्टिक सिस्टम एक्टिव नहीं है। हालांकि, आने वाले कुछ दिनों तक प्रदेश के कुछ इलाकों में सुबह के समय हल्की धुंध छाए रहने की संभावना है।

बच्ची की कब्र से छेड़छाड़, सिर गायब, तंत्र मंत्र की आशंका

कब्र के पास नींबू-चावल और कच्चे मांस का टुकड़ा, एफआईआर दर्ज

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में महाशिवरात्रि की रात शमशान घाट पर अज्ञात तांत्रिक ने तंत्र-मंत्र कर मासूम की कब्र खोदकर उसका सिर का कंकाल निकाल लिया। अगले दिन सुबह जब ग्रामीणों ने कब्र की हालत देखी, तो गांव में तनाव फैल गया। इसके बाद पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है।

मामला गुंडरदेही थाना क्षेत्र के ग्राम माहुद-बी का है। दरअसल 3 महीने पहले बच्ची की किसी बीमारी से मौत हो गई थी। जिसके बाद शव गांव के शमशान घाट में

दफनाया गया था। 15 फरवरी की सुबह बच्ची की कब्र के पास मांस का टुकड़ा मिला। आसपास तांत्रिक सामग्री बिखरी हुई थी। पुलिस की मौजूदगी में परीक्षण के लिए दोबारा शव खोदकर निकाला गया है। मामले में जांच जारी है।

दरअसल यह घटना गुंडरदेही थाना क्षेत्र की हल्दी चौकी अंतर्गत ग्राम माहुद-बी की है। रविवार (15 फरवरी) सुबह करीब 11 बजे गांव का एक किसान शमशान घाट की ओर से अपने खेत जा रहा था। इसी दौरान उसकी नजर मासूम की कब्र पर पड़ी। कब्र के पास दिया, चावल और झिल्ली में रखा मांस का टुकड़ा सहित तांत्रिक सामग्री बिखरी हुई थी। इसके बाद तत्काल मासूम के परिजनों को सूचना दी गई।

कब्र खोदकर सिर निकाला, फिर दोबारा मिट्टी से ढंक दिया

घटना की जानकारी मिलते ही माहुद (बी) निवासी जितेंद्र साहू मौके पर पहुंचे और रिपोर्ट दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि यह कब्र उनकी बेटी प्रिया साहू (लाडो) की है। 9 अक्टूबर 2025 को तबीयत बिगड़ने से उसकी मौत हो गई थी। परिवार अभी इस सदमे से पूरी तरह उबर भी नहीं पाया था कि अब बेटी की कब्र से छेड़छाड़ की घटना सामने आ गई। जितेंद्र साहू के अनुसार, कब्र से सिर का कंकाल गायब है। आशंका है कि किसी अज्ञात तांत्रिक ने रात में कब्र की खुदाई कर सिर निकाल लिया और बाद में दोबारा मिट्टी डालकर कब्र को ढंक दिया।

एसडीएम की अनुमति से खुदाई

परिजनों और ग्रामीणों की शिकायत के बाद गुंडरदेही के एसडीएम ने धारा 505 के तहत कब्र की खुदाई की अनुमति दी। इसके बाद दोपहर करीब 3 बजे वीडियोग्राफी के बीच खुदाई कराई गई। लगभग चार फीट नीचे मासूम प्रिया का शव मिला, लेकिन परिजनों का दावा है कि शव से सिर गायब है। इसके बाद पुलिस ने शव को परीक्षण के लिए मेडिकल कॉलेज भेज दिया।

सबरीमाला में महिलाओं से भेदभाव: नौ जजों की पीठ गठित

सात अप्रैल से सुप्रीम कोर्ट करेगा सुनवाई

नई दिल्ली ए.। सुप्रीम कोर्ट की 9-न्यायाधीशों की बेंच 7 अप्रैल से धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के भेदभाव के मामलों पर सुनवाई शुरू करेगी। इस मामले में प्रमुख रूप से केरल के सबरीमाला मंदिर से जुड़े मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया है कि सभी पक्ष अपनी लिखित दलीलें 14 मार्च तक जमा करें। केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने

कहा कि वह सबरीमाला फैसले की समीक्षा का समर्थन करते हैं। बेंच में मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली शामिल हैं।

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने वरिष्ठ वकील परमेश्वर और शिवम सिंह को एमिकस क्यूरी के रूप में नियुक्त किया है, ताकि न्यायालय को आवश्यक मार्गदर्शन और पक्षों की दलीलों का विश्लेषण प्रदान किया जा सके। कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया है कि सुनवाई 22 अप्रैल तक पूरी की जाएगी। सबरीमाला फैसले की समीक्षा का समर्थन करने वाले पक्षों के लिए कृष्ण कुमार सिंह को नोडल काउंसल नियुक्त किया गया है, जबकि फैसले का विरोध करने वालों के लिए शश्वती परी को नोडल काउंसल बनाया गया।

नाबालिग से गैंगरेप : सीजी-गवर्नमेंट लिखी गाड़ी में ले जाते थे आरोपी

पुलिस ने किया क्राइम सीन रिक्रिएट

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में पीडब्ल्यूडी विभाग में नौकरी दिलाने के नाम पर नाबालिग से गैंगरेप मामले में एक के बाद एक चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। जांच में पता चला कि आरोपियों ने वारदात को अंजाम देने के लिए सरकारी कार्य में लगी गाड़ियों का

इस्तेमाल किया था। पुलिस ने दोनों गाड़ियों को जब्त कर लिया है। इनमें से एक गाड़ी पर 'ऑन ड्यूटी सीजी गवर्नमेंट' लिखा हुआ है।

पुलिस ने आरोपी भीम नारायण पांडेय (बीएन पांडेय) और संजय पंडित को दो दिन की रिमांड पर लेकर पूछताछ की। इस दौरान दोनों को दुर्ग रेस्ट हाउस, पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस, उतई रेस्ट हाउस समेत अन्य स्थानों पर ले जाकर जांच कराई गई। पुलिस ने घटनास्थलों की वीडियोग्राफी कराई और कई अहम सबूत जुटाए। पुलिस रिमांड के दौरान घटना में इस्तेमाल गाड़ियां और मोबाइल भी जब्त किए गए। रिमांड पूरी होने के बाद दोनों आरोपियों को जेल भेज दिया गया है।

केमिकल फैक्टरी में भयंकर आग, सात मजदूर जिंदा जल गए, फैक्टरी में मची चीख-पुकार

राजस्थान के भिवाड़ी स्थित खुशखेड़ा औद्योगिक क्षेत्र का मामला

भिवाड़ी ए.। राजस्थान के भिवाड़ी स्थित खुशखेड़ा औद्योगिक क्षेत्र में सोमवार सुबह भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। शुरुआती जानकारी के मुताबिक एक निजी औद्योगिक इकाई में लगी आग में करीब सात श्रमिकों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि कुछ अन्य गंभीर रूप से झुलस गए। हादसे के बाद पूरे इलाके में शोक और दहशत का माहौल है।

मिली जानकारी के अनुसार खुशखेड़ा औद्योगिक क्षेत्र के प्लॉट जी-1-118 बी में सोमवार सुबह अचानक आग भड़क उठी। सुबह 9 बजकर 22 मिनट पर पुलिस कंट्रोल रूम से रीको फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई।

बताया जा रहा है कि आग ने कुछ ही मिनटों में भयानक रूप ले लिया और पूरी फैक्टरी को अपनी चपेट में ले लिया। आग इतनी तेज थी कि अंदर काम कर रहे श्रमिकों को बाहर निकलने का मौका नहीं मिल सका।ाग में झुलसकर करीब छह श्रमिकों की मौके पर ही मौत हो गई। राहत और बचाव टीम को अंदर से जो शव मिले, वे बुरी तरह जले हुए थे। कुछ शव इतने अधिक झुलस चुके थे कि उनकी पहचान करना मुश्किल हो रहा है। मृतकों की पहचान करने की कोशिश जारी है।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, प्रशासन के अधिकारी, दमकल विभाग की कई गाड़ियां, बचाव दल और मेडिकल टीमें मौके पर पहुंच गईं। पूरे क्षेत्र को घेर लिया गया और आग पर काबू पाने के साथ अंदर फंसे लोगों को निकालने का अभियान चलाया गया। अधिकारियों के अनुसार दो लोग अंदर फंसे होने की आशंका है। घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल भेजा गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। आग लगने के कारणों का अभी तक साफ पता नहीं चल पाया है। शुरुआती तौर पर शॉर्ट सर्किट या ज्वलनशील पदार्थों की वजह से आग लगने की आशंका जताई जा रही है।

संपादकीय

राफेल की जरूरत

भारत को बड़ी संख्या में लड़ाकू विमानों की जरूरत है और राफेल विमान खरीदने की तैयारी स्वागतयोग्य है। भारत की रक्षा अधिग्रहण परिषद ने फ्रांस की कंपनी डसॉल्ट एविएशन से 3.25 ट्रिलियन रुपये (280.4 अरब डॉलर) में 114 राफेल लड़ाकू विमान खरीदने के प्रारंभिक प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। वैसे तो इस सौदे को अंतिम रूप मिलने में कुछ समय और लगेगा, पर इस सौदे का होना अब तय है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता वाली इस परिषद में पारित प्रस्ताव के अनुसार, भारत फ्रांसीसी निर्माता कंपनी से 18 राफेल विमान सीधे खरीदेगा और बाकी 96 लड़ाकू विमान भारत में निजी क्षेत्र की कंपनियों के साथ साझेदारी में बनाए जाएंगे। भारत की इस जरूरी खरीद को रक्षा खरीद बोर्ड की मंजूरी पहले ही मिल गई है। अब फ्रांस के नेताओं के साथ आमने-सामने की वार्ता होगी। वहां सहमति के बाद केंद्रीय मंत्रिमंडल अंतिम तौर पर मुहर लगाएगा। गौर करने की बात है, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों 15 से 17 फरवरी तक नई दिल्ली में आयोजित एआई शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए भारत आ रहे हैं। जाहिर है, इस सौदे से दोनों देशों के बीच रिश्तों को और मजबूती मिलेगी।

> “ रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता वाली इस परिषद में पारित प्रस्ताव के अनुसार, भारत फ्रांसीसी निर्माता कंपनी से 18 राफेल विमान सीधे खरीदेगा और बाकी 96 लड़ाकू विमान भारत में निजी क्षेत्र की कंपनियों के साथ साझेदारी में बनाए जाएंगे। भारत की इस जरूरी खरीद को रक्षा खरीद बोर्ड की मंजूरी पहले ही मिल गई है। अब फ्रांस के नेताओं के साथ आमने-सामने की वार्ता होगी। वहां सहमति के बाद केंद्रीय मंत्रिमंडल अंतिम तौर पर मुहर लगाएगा। गौर करने की बात है, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों 15 से 17 फरवरी तक नई दिल्ली में आयोजित एआई शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए भारत आ रहे हैं। जाहिर है, इस सौदे से दोनों देशों के बीच रिश्तों को और मजबूती मिलेगी।

यह चर्चा इन दिनों बहुत तेज है कि भारतीय वायु सेना के तैनात लड़ाकू विमानों की संख्या महज 29 तक सिमट गई है। वैसे अभी 36 राफेल विमान भारतीय सेना के पास हैं, पर सबकी तैनाती मोर्चे पर नहीं की जा सकती। यहां यह जानना जरूरी है कि भारत को आज के समय में न्यूनतम 42 लड़ाकू विमान मोर्चे पर चाहिए। उम्मीद करनी चाहिए कि फ्रांस से हमें जल्द से जल्द 18 विमान मिल जाएं, ताकि मोर्चे पर हमारे लड़ाकू विमानों की संख्या जरूरत के मुताबिक हो जाए। इतना ही नहीं, भारत के पास प्रशिक्षण विमानों की भी कमी होने लगी है। इस सौदे में ऐसे राफेल विमानों की संख्या ज्यादा होगी, जो दो सीट वाले हैं और जिनका इस्तेमाल प्रशिक्षण में किया जाना है। लंबे समय तक वायु सेना की ताकत मिग विमान रहे हैं, लेकिन गौरतलब है कि मिग विमानों सहित, एंग्लो-फ्रेंच जगुआर और फ्रेंच मिराज 2000 भी आने वाले वर्षों में सेवामुक्त होने वाले हैं। हमें हर हाल में अच्छे किस्म के राफेल विमान चाहिए। भारत की रक्षा चुनौतियां लगातार बढ़ रही हैं और वायु सेना को पर्याप्त संसाधनों व विमानों से लैस रखना होगा। यह सौदा जितना जरूरी है, उससे ज्यादा जरूरी है कि फ्रांस हमें नए विमान जल्द से जल्द हस्तांतरित करे। फ्रांसीसी नेता जब भारत आएंगे, तब उनसे यह बात अवश्य होनी चाहिए। अक्सर देखा गया है कि सौदे तो हो जाते हैं, पर आपूर्ति में बहुत वक्त लगता है।

वास्तव में, तेजस विमानों के साथ भी यही हो रहा है। भारत में विकसित हो रहे तेजस विमानों में खास तरह के इंजन की जरूरत है, जो विदेश से आने हैं, पर आपूर्ति में देरी हो रही है। आपूर्ति में यह देरी भी हमें विवश कर रही है कि हम राफेल प्राप्त करने में जल्दबाजी दिखाएं। यह याद रखना चाहिए कि भारतीय वायु सेना के लिए 1980 के दशक में ही स्वदेशी विमानों के निर्माण का काम शुरू किया गया था। यह अपने आप में समीक्षा का विषय है कि कहां कमियां रही हैं और कमियों को जल्द से जल्द कैसे दूर किया जा सकता है। हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स ने घरेलू बाजार में उन्नत एमके-1ए वेरिएंट के लगभग 180 विमानों का ऑर्डर दे रखा है, पर आपूर्ति में माकूल इंजन की कमी ही आड़े आ रही है। बेशक, हम राफेल खरीदें, पर ज्यादा जरूरी है कि विमानन क्षेत्र में शोध-अनुसंधान व्यय को सुनियोजित ढंग से बढ़ाया जाए।

विकसित भारत का आधार बनें एमएसएमई

रीतू सारस्वत

आरबीआई ने सूक्ष्म और लघु उद्यमों के लिए गिरवी मुक्त ऋण सीमा 10 लाख से बढ़ाकर 20 लाख रुपये कर दी है, जो अप्रैल से प्रभावी होगी। यह पहल एमएसएमई को बढ़ावा देगी, जो भारत की अर्थव्यवस्था, विनिर्माण और रोजगार में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। चुनौतियों के बावजूद, सही नीतियों और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता पर ध्यान केंद्रित करके, एमएसएमई 'विकसित भारत' की नींव को मजबूत कर सकते हैं।

ऋतु सारस्वत। भारतीय रिजर्व बैंक यानी आरबीआई ने बीते दिनों बैंकों के लिए माइक्रो एंड स्मॉल एंटरप्राइजेज (एमएसई) को गिरवी मुक्त या बिना किसी गारंटी के ऋण देने की सीमा को 10 लाख से बढ़ाकर 20 लाख रुपये कर दिया। इस वर्ष अप्रैल के बाद से सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) को दिए जाने वाले ऋण पर रिजर्व बैंक का यह फैसला प्रभावी होगा।

'क्रेडिट गारंटी फंड ट्रस्ट फॉर माइक्रो एंड स्मॉल एंटरप्राइजेज' ऋण लेने वाले उद्यमियों की गारंटी लेगा। निश्चित रूप से आरबीआई की यह है पहल एमएसएमई को बढ़ावा देने के लिए एक कारगर पहल सिद्ध होगी। ध्यातव्य रहे कि इस बार के बजट में वित्त मंत्री ने एमएसएमई की क्रेडिट सुविधा बढ़ाने और उनके लिए अलग से 10,000 करोड़ रुपये का फंड बनाने की घोषणा की है।

आर्थिक समीक्षा 2025-26 बताती है कि एमएसएमई भारत की औद्योगिक अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करते हैं। यह क्षेत्र देश के कुल विनिर्माण उत्पादन का लगभग 35.4 प्रतिशत, कुल निर्यात का लगभग 48.58 प्रतिशत और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का लगभग 31.1 प्रतिशत योगदान करता है। देश में 7.47 करोड़ से अधिक उद्यम, जो लगभग 32.82 करोड़ लोगों को रोजगार प्रदान करते हैं, इस क्षेत्र को कृषि के बाद दूसरा सबसे बड़ा रोजगारप्रदाता बनाते हैं।

वैश्विक स्तर पर भी लगभग 90 प्रतिशत व्यवसाय एमएसएमई स्वरूप में ही हैं और कुल वैश्विक रोजगार का 50 प्रतिशत से अधिक हिस्सा प्रदान करते हैं। भारत का विनिर्माण क्षेत्र वैश्विक एकीकरण की दिशा में अग्रसर है, ऐसे में एमएसएमई की भूमिका प्रभावी आपूर्ति-शृंखला, स्थानीय मूल्य संवर्धन और समावेशी क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा देने में अत्यंत महत्वपूर्ण है।

गौरतलब है कि 2024 में 'उद्यमी भारत-एमएसएमई दिवस' के अवसर पर यशस्विनी अभियान का शुभारंभ किया गया, जिसका उद्देश्य 2029 तक लैंगिक समानता को बढ़ावा देना और महिला स्वामित्व वाले एमएसएमई की सार्वजनिक खरीद में न्यूनतम तीन प्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित करना है। गत वर्ष मिजोरम में संचालित अभियान से लगभग 8,400 महिला स्वामित्व वाले एमएसएमई का पंजीकरण संभव हुआ। इसके तहत अब तक 12.5 लाख से अधिक महिला स्वामित्व वाले एमएसएमई के पंजीकरण को सुगम बनाया गया है।

संयुक्त राष्ट्र औद्योगिक विकास संगठन (यूएनआईडीओ) द्वारा प्रकाशित 'औद्योगिक विकास रिपोर्ट 2024' में भारत का उल्लेख उभरती औद्योगिक अर्थव्यवस्थाओं के संदर्भ में किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार भारत जैसे देशों में विनिर्माण क्षेत्र का विस्तार तेजी से हो रहा है और औद्योगिक विविधीकरण बढ़ रहा है। इसमें यह भी कहा गया है कि भारत वैश्विक मूल्य शृंखलाओं में अपनी भागीदारी मजबूत करने की क्षमता रखता है। हालांकि एमएसएमई क्षेत्र ने उल्लेखनीय प्रगति की है, फिर भी कुछ संरचनात्मक चुनौतियां अब भी मौजूद हैं।

भुगतान में देरी की समस्या, तकनीकी आधुनिकीकरण की कमी, सीमित वैश्विक ब्रांड पहचान जैसे मुद्दे इस क्षेत्र की गति को प्रभावित करते हैं। पंजीकरण की संख्या निशित रूप से एक सशक्त तस्वीर पेश करती है, परंतु उसके साथ आवश्यकता प्रति उद्यम उत्पादकता, गुणवत्ता मानकों और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता को सुदृढ़ करने की है। यदि इन चुनौतियों का समाधान समयबद्ध एवं प्रभावी नीति के जरिये किया जाए तो एमएसएमई देश की आर्थिक छलांग का बड़ा आधार बन सकते हैं।

दक्षिण कोरिया और जापान की अर्थव्यवस्था की सुदृढ़ता में लघु एवं मध्यम उद्योगों की भूमिका स्पष्ट दृष्टिगोचर होती है। दक्षिण कोरिया ने 'लघु और मध्यम उद्यमों के लिए रूपरेखा अधिनियम (फ्रेमवर्क एक्ट आन स्माल एंड मीडियम एंटरप्राइजेज)' तथा 'लघु, मध्यम उद्यम एवं स्टार्टअप मंत्रालय (मिनिस्ट्री आफ एसएमईज एंड स्टार्टअप्स)' के माध्यम से छोटे उद्योगों को अनुसंधान-विकास सहायता, स्केल-अप रणनीति और कानूनी संरक्षण से जोड़ा है।

वहीं दूसरी ओर जापान ने 'लघु एवं मध्यम उद्यम मूल अधिनियम (स्मॉल एंड मीडियम एंटरप्राइज बेसिक एक्ट)' के तहत अपने उद्योगों को आपूर्ति-शृंखला आधारित 'केइरेत्सु' माडल, उच्च गुणवत्ता मानकों और तकनीकी नवाचार से सशक्त किया। इन दोनों मॉडलों की समानता यह है कि उन्होंने एमएसएमई हेतु एक पोषणात्मक व्यवस्था ही गठित नहीं की है, अपितु उन्हें वैश्विक प्रतिस्पर्धा के स्तर तक पहुंचाने की संरचित व्यवस्था विकसित की। यदि भारत भी इसी प्रकार स्पष्ट स्केल-अप नीति और गुणवत्ता-प्रधान औद्योगिक समन्वय को सुदृढ़ करे, तो एमएसएमई 'विकसित भारत' की आधारशिला को और अधिक मजबूत बना सकते।

आर्थिक-सामाजिक विकास में एमएसएमई कम पूंजी लागत पर पर्याप्त रोजगार सृजित करता है, सहायक इकाइयों के रूप में बड़े उद्योगों को सहयोग देता है और ग्रामीण एवं पिछड़े क्षेत्रों में उद्योगीकरण को बढ़ावा देता है। ऐसे में भारत को एमएसएमई के लिए दीर्घकालिक और किफायती पूंजी उपलब्ध कराने, तकनीकी उन्नयन को प्रोत्साहित करने तथा निर्यात-उन्मुख ब्रांड निर्माण को बढ़ावा देने की दरकार है। समयबद्ध भुगतान तंत्र का क्रियान्वयन और हरित उत्पादन पद्धतियों को प्रोत्साहन भी अनिवार्य होंगे। यदि एमएसएमई को केवल संरक्षण नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनने की स्पष्ट रणनीति दी जाए, तो वे विकसित भारत की आर्थिक संरचना को निर्णायक रूप से सुदृढ़ कर सकते हैं।

(लेखिका समाजशास्त्र की प्रोफेसर हैं)

व्यापार समझौतों से आगे की चुनौतियां

शिवकांत शर्मा

दुनिया में कोई ऐसा देश नहीं है जो व्यापार के बिना केवल आत्मनिर्भरता के बल पर आर्थिक महाशक्ति बना हो। आर्थिक इतिहासकार एंगस मैडिसन के अनुसार भारत भी व्यापार के बल पर आर्थिक महाशक्ति बना था। उसकी अर्थव्यवस्था विश्व की अर्थव्यवस्था के एक चौथाई से अधिक हो गई थी जिसके बल पर वह सोने की चिड़िया कहलाता था। आधुनिक युग में ब्रिटेन से लेकर अमेरिका तक हर देश व्यापार के बल पर ही आर्थिक महाशक्ति बना है और अब चीन भी उसी राह पर है।

उसने अमेरिका और यूरोप की मंडियों में धाक जमाने के बाद संरक्षणवाद की दीवारें खड़ी होने से पहले ही व्यापार समझौतों के द्वारा अपने माल के लिए नई मंडियां खोलना शुरू कर दिया था। चार साल पहले हुआ आरसीईपी या व्यापक क्षेत्रीय आर्थिक साझेदारी समझौता उसकी ही एक कड़ी थी, जिसमें चीन और जापान से लेकर न्यूजीलैंड तक फैले 15 देश शामिल थे। मुक्त व्यापार समझौते आपसी व्यापार को बढ़ाने और आर्थिक महाशक्ति बनने की राह खोलते हैं। भारत ने भी यूरोप के साथ समझौता करके और अमेरिका के साथ उसकी रूपरेखा तय करके ऐसी ही राह खोली है। अमेरिका और यूरोप से पहले वह आसियान, जापान, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर, ओमान, मॉरीशस और यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ के चार सदस्य देशों से व्यापार समझौते कर चुका है।

खाड़ी सहयोग परिषद के साथ व्यापार समझौते से जुड़ी वार्ताएं चल रही हैं। इन सबके पूरा होने पर दुनिया की 60 प्रतिशत से अधिक जीडीपी के बाजार भारत के लिए खुल जाएंगे। अर्थव्यवस्था को 40 वर्षों तक संरक्षणवाद की दीवारों में कैद कर दिवालिया कर लेने वाले देश के लिए यह परिवर्तन कायाकल्प से कम नहीं है। यह भी सच है कि व्यापार समझौते और बड़ी-बड़ी मंडियों में प्रवेश पाने भर से भी कोई देश व्यापारिक और आर्थिक महाशक्ति नहीं बन सकता। उसके लिए आकर्षक दरों पर अच्छी गुणवत्ता वाला माल बनाना और बेचना पड़ता है। लाइसेंस राज और बाबूशाही के शिकंजे खोलकर उद्योग लगाना सुगम बनाना पड़ता है। सरकारी और निजी क्षेत्रों में शोध, विकास और नवाचार बढ़ाने के साथ-साथ उन क्षेत्रों को बढ़ावा देना होता है, जिनमें देश दूसरों से आगे हो।

पूंजी को सुलभ बनाना और बुनियादी सुविधाओं को सुधारना होता है। इन्हीं उपायों से चीन ने ट्रंप की टैरिफजंग में भी अपना व्यापार बढ़ाकर भारत की जीडीपी से डेढ़ गुना कर लिया है। आज विश्व व्यापार में भारत की हिस्सेदारी मात्र 3.5 प्रतिशत है जबकि चीन की लगभग 14 प्रतिशत। अपने स्वर्णिम युग के दिनों में विश्व व्यापार में भारत की हिस्सेदारी 30 प्रतिशत के आसपास थी। बीते दिनों ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीएर स्टार्मर की चीन यात्रा के दौरान एक ब्रिटिश साइकिल निर्माता से पूछा गया कि चीन और अमेरिका में कहां कारोबार करना अधिक सुगम है? उसने तपाक से जवाब दिया चीन में, जहां कुछ ही हफ्तों के भीतर कारोबार संभव है और व्यापार नीति को लेकर भी निश्चिंतता रहती है। भारत को भी बड़े पैमाने पर विदेशी पूंजी आकर्षित करने के लिए कारोबारियों में इसी तरह का भरोसा पैदा करना होगा।

केंद्र के साथ राज्यों की सक्रिय और सकारात्मक भागीदारी के बिना यह संभव नहीं होगा, क्योंकि उद्योगों को पूंजी के अलावा जमीन, कर्मचारी, बिजली और बुनियादी ढांचे की जरूरत होती है, जो राज्यों के अधिकार क्षेत्र में आते हैं जो निवेश आकर्षित करने लिए एक-दूसरे से होड़ करने के बजाय दिक्कतें खड़ी करने में लगे रहते हैं। अन्यथा क्या कारण है कि तमिलनाडु का शहर तिरुपुर परिधान उद्योग का नया मैनचेस्टर बन सकता है, मगर कोलकाता और कानपुर वस्त्र उद्योग में अपने खोई चमक को फिर से हासिल नहीं कर पाते? बंगाल की आबादी वियतनाम के बराबर है, मगर जीडीपी उससे आधी है। बिहार की आबादी वियतनाम से सवा गुनी है और जीडीपी एक चौथाई है। विकास की दौड़ में यदि आप 20 साल लंबी लड़ाई से तबाह हुए देश की बराबरी भी नहीं कर सकते तो फिर क्या करेंगे?

व्यापार समझौते कर भारत ने अमेरिका, यूरोप, जापान और रूस जैसी विश्व की अमीर मंडियों के द्वार तो खुलवा लिए हैं, परंतु इनमें अपने माल की मांग बढ़ाने के लिए उसकी गुणवत्ता में निरंतर परिष्कार करना और उसे आकर्षक दामों पर बेचना होगा। उत्पादन का पैमाना बढ़ाए और शोध एवं विकास में निवेश किए बिना यह संभव नहीं हो सकेगा। चीन और वियतनाम शोध एवं विकास पर अपने बजट का 2.5 प्रतिशत से ऊपर खर्च करते हैं, जबकि भारत मात्र 0.65 प्रतिशत। ट्रंप की टैरिफ जंग से उठी संरक्षणवाद की लहर में रक्षा क्षेत्र की आत्मनिर्भरता सबसे अहम हो गई है, जो शोध एवं विकास में भारी निवेश के बिना संभव नहीं। आर्थिक महाशक्ति बनने के लिए अब व्यापार बढ़ाने से ही काम नहीं चलेगा। भारत को एआई और क्वांटम कंप्यूटिंग जैसी उभरती तकनीकों और इनके लिए आवश्यक ऊर्जा की तकनीक में भी आगे रहना होगा। पिछले कुछ महीनों में अमेरिका की बड़ी टेक कंपनियों ने भारत में एआई डाटा केंद्र बनाने के लिए लगभग 8,000 करोड़ डॉलर के निवेश का वादा किया है। इनमें एमेजोन, माइक्रोसॉफ्ट, गूगल और इंटेल जैसे नाम शामिल हैं। पिछले कुछ वर्षों से लगातार घटते विदेशी निवेश से जूझती भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए यकीनन यह बहुत अच्छी खबर है। हालांकि इनके लिए जितनी बड़ी मात्रा में ऊर्जा चाहिए होगी, उसे पश्चिम के विकसित देश भी पूरा नहीं कर पा रहे हैं। डाटा केंद्रों और भारी ऊर्जा खपत वाले एआई मॉडल तैयार करने के लिए भारत को भी अपना ऊर्जा उत्पादन बढ़ाकर चीन के पैमाने पर लाना होगा जो इस समय अमेरिका से भी ढाई गुना बिजली पैदा कर रहा है। बड़े पैमाने पर ऊर्जा के लिए सौर, पवन और हाइड्रोजन जैसे स्वच्छ ऊर्जा के स्रोतों का विकास करना होगा, ताकि देश की हवा भी सांस लेने लायक बनी रहे। आज से दिल्ली में शुरू हुए एआई प्रभाव शिखर सम्मेलन में इस प्रश्न के साथ-साथ एआई को समावेशी, जन और जलवायु अनुकूल बनाने पर भी चर्चा होगी। इस सम्मेलन से भारत में एआई के विकास, प्रयोग और निवेश को गति मिलने की आशा है।

(लेखक बीबीसी हिंदी के पूर्व संपादक हैं)

स्वर्ग के शैतान, कश्मीर घाटी में 35 वर्ष बाद भी बची हुई है विषबेल

तरुण विजय

आसी गच्छीए पनुनुय पाकिस्तान, बताव रोस्तुय बतेनियन सान (हमें अपना पाकिस्तान चाहिए। कश्मीरी पंडित पुरुषों के बिना, लेकिन कश्मीरी पंडित महिलाओं के साथ)। 20वीं शताब्दी के अंतिम दशक में कश्मीर के मुसलमानों द्वारा सार्वजनिक पर्चों में की गई घोषणा। मेरे पिता का देहांत हो गया है, हिंदू रीति-रिवाज के अनुसार उनकी अस्थियां (फूल) हरिद्वार में गंगा जी में प्रवाहित करने हमें जाना है। आपसे प्रार्थना है हमें हरिद्वार यात्रा की इजाजत दें - मोहन लाल टिक्कू। उर्दू दैनिक श्रीनगर टाइम्स के 11 दिसंबर, 1990 के अंक में छपा विज्ञापन जिसमें हिंदू परिवार इस्लामी जिहादियों से हरिद्वार जाने की अनुमति मांग रहा है।

कश्मीरी पंडित कायर थे, दगा दे गए, जिन्होंने अपनी मर्जी से घाटी को छोड़ा। उनको कश्मीर में नौकरियां दीं गईं, फ्लैट दिए गए, लेकिन वे काम नहीं करते, जम्मू में ऐश कर रहे हैं- शोपियां से स्वतंत्र विधायक शबीर अहमद कुले का जनवरी 2026 में न्यूज 18 पर बयान। (विवाद बढ़ने पर बयान वापस लिया)

पृथ्वी पर भारत एकमात्र देश है, जहां के देशभक्त नागरिकों को 'स्वतंत्र संप्रभु राष्ट्र' में राष्ट्र ध्वज के प्रति वफादारी और धर्मनिष्ठा के कारण अंतहीन अत्याचारों का शिकार होना पड़ा। अपने ही देश में निर्वासन भोगना पड़ा। कश्मीरी हिंदू अपने घर, सेब के बगीचे, खेत, अखरोट और बादाम के पेड़, सब जस के तस छोड़कर आने पर मजबूर हुए। कश्मीर के मुस्लिम नेता, उन हिंदुओं के मुस्लिम पड़ोसी, उनके मुस्लिम मित्र सब मुंह मोड़कर अपने ही रक्त बंधुओं और मां-बहनों को रोते-बिलखते जाते देखते रहे। किसी ने उनको रोका नहीं, किसी ने उनको बचाया नहीं।

विश्वास पर गहरा आघात

गिरिजा टिक्कू जैसे अनेक लोमहर्षक उदाहरण कश्मीर की खूनी वादियों में बिखरे हुए हैं। वह पति के साथ कश्मीर के बांदीपोरा नगर में एक स्कूल में प्रयोगशाला सहायिका के नाते काम करती थी। जेकेएलएफ (जम्मू-कश्मीर लिबरेशन फ्रंट) के कुख्यात मुखिया यासीन मलिक के 'काफिरों घाटी छोड़ो' ऐलान के बाद गिरिजा टिक्कू सपरिवार जम्मू आ गई। कुछ दिन बाद उसको श्रीनगर से किसी ने फोन किया कि हालात सुधर गए हैं, तुम आकर अपना वेतन ले जाओ।

वेतन लेकर अपनी मुस्लिम सहेली से मिलने आई और सोचा वहां से जम्मू वापस आ जाएगी। वहां उसकी सहेली और नागरिकों के सामने जेकेएलएफ के मुजाहिद गुंडों ने उसका अपहरण कर लिया। गिरिजा टिक्कू को इस्लामी दरिंदे अज्ञात स्थान पर ले गए, दुष्कर्म किया, कई दिन बाद जब उसका क्षत-विक्षत शव मिला तो पता चला उसको आरे से जिंदा काटा गया था। हजरतबल श्रीनगर इलाके से नर्स सरला भट्ट का अपहरण कर लिया गया।

उसके साथ कई दिन सामूहिक दुष्कर्म हुआ। बाद में सड़क किनारे उसका शव मिला। दोनों ही मामलों में किसी के आंसू नहीं बहे, किसी ने इनको मानवाधिकार हनन का मामला नहीं माना। हिंदुओं पर अत्याचार सामान्य और रोजमर्रा की बात मानकर संविधान, सरकार, चुनाव, राजनीतिक उठापटक के दौर चलते रहे। चलती रही पत्थरबाजी, हड़तालें, खूंखार हत्यारे यासीन मलिक की शानदार दिल्ली दावतें और तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के साथ उसकी मुलाकातें!

25 जनवरी, 1998 (गणतंत्र दिवस से एक दिन पहले)- कश्मीर के गांदरबल जिले के वंधमा गांव में इस्लामी आतंकवादियों ने एक हिंदू परिवार में भारतीय जवानों के वेश में आकर चाय पी और वायरलेस पर जब उनको बताया गया कि सब हिंदुओं को एकत्र कर लिया है तो उन सबको गोलियां मार दीं, जिनमें दो और चार साल के नन्हे बच्चे भी थे। इससे पहले कि पाठक कश्मीर के हिंदू नरसंहार को भूलें, उनको भारतीय वायुसेना के जांबाज अधिकारी स्क्वाड्रन लीडर रविंद्र कुमार खन्ना की शोकांतिका से परिचित कराना जरूरी है।

अमृतसर निवासी स्क्वाड्रन लीडर खन्ना 25 जनवरी, 1990 को श्रीनगर के पास रावलपुरा बस स्टैंड पर वायुसेना बस की प्रतीक्षा कर रहे थे। उनके साथ वायुसेना के अन्य चार कार्मिक भी थे। जेकेएलएफ के आतंकवादी यासीन मलिक के नेतृत्व में वहां पहुंचे और एके47 से वायुसैनिकों पर गोलियां चला दीं। इस भयानक हत्याकांड की कांग्रेस तथा मुफ्ती-अब्दुल्ला शासनों में गवाहियां तक नहीं हुईं। यासीन इस हत्याकांड का मुख्य अभियुक्त होने के बावजूद दिल्ली आता रहा, प्रधानमंत्री से मिलता रहा।

पुलवामा हमले (14 फरवरी 2019) के बाद नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार द्वारा अलगाववादियों के खिलाफ की गई कार्रवाई के तहत यासीन मलिक को 22 फरवरी 2019 को श्रीनगर में हिरासत में लिया गया। अप्रैल 2019 में राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने 2017 के 'आतंकवाद को आर्थिक मदद' मामले में पूछताछ के लिए यासीन मलिक को गिरफ्तार किया और दिल्ली के तिहाड़ जेल ले आई।

मई 2022 में विशेष एनआईए अदालत में यासीन मलिक ने सभी आरोपों को कबूल किया, जिसमें आतंकवादी गतिविधियां, आपराधिक साजिश और भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ना शामिल था। 25 मई, 2022 को पटियाला हाउस कोर्ट ने यासीन मलिक को आतंकवाद को आर्थिक मदद मामले में उम्रकैद की सजा सुनाई, लेकिन वायुसैनिकों की हत्या का मामला अभी चल रहा है और उसमें यासीन को मृत्युदंड मिलना निश्चित है।नरेन्द्र मोदी और अमित शाह के लौह संकल्प ने यह स्थिति कैसे बदली, स्मृतिविहीन समाज आज इसका अनुमान लगाना भी कठिन मान रहा है। हवा बदली, मौसम बदला, पत्थरबाजों का काला दौर खत्म हुआ, धारा 370 और 35ए का अंधा युग समाप्त हुआ, दो झंडों का चुभने वाला सामंती समय समाप्त हुआ, लाल चौक पर हर दिन हर क्षण राष्ट्रीयता का तिरंगा उत्सव अब आम बात हो गई। यह अविश्वसनीय सा यथार्थ न पाकिस्तानी आईएसआई को सहन हुआ, न ही उनके कश्मीर में बैठे एजेंट्स को।

नतीजा हुआ पुलवामा हत्याकांड- जिसमें 26 हिंदू पर्यटकों को उनका धर्म पूछकर क्रूरता से मार दिया गया। आज भी फारूक अब्दुल्ला तथा कुले जैसे कश्मीरी नेताओं के संवेदनहीन बयान बताते हैं कि घाटी के मुसलमान कश्मीरी हिंदुओं की घरवापसी के प्रति सतही बातें करते रहेंगे परंतु उनके मन में प्रतिरोध जमा रहेगा। घाटी में हिंदुओं की जनसंख्या बढ़ाकर, वहां सैनिक कालोनियां स्थापित करके तथा घाटी का एकतरफा जनसांख्यिकी असंतुलन न्याय संगत करने के बाद ही कश्मीर शांति का स्वर्ग बन सकेगा। यह कार्य लौह नीतियों से ही संभव हो पाएगा, इसमें कोई संदेह नहीं!

1990 में कश्मीर घाटी में इस्लामिक आतंकवादी , एक हाथ में कुरआन और दूसरे में पाकिस्तानी सहायता से पाए हथियारों को सार्वजनिक प्रदर्शित करते थे । उन्होंने कश्मीर घाटी को हिंदूविहीन कर दिया और देश मूक दर्शक बना देखता रहा। नस्लीय नरसंहार के साथ-साथ सांस्कृतिक पहचान मिटाने की इस्लामी साजिशें हिंदू मंदिरों के अपमान और उनको क्षतिग्रस्त करने के रूप में 2006 के बाद भी जारी रहीं - मंदिरों पर कब्जे और तोड़फोड़ के साथ।1989 से 2014 तक 1,000 से अधिक मंदिर क्षतिग्रस्त किए गए। मैं 35 वर्षों से कश्मीर क्षेत्र में जाता रहा हूं और आतंकवाद पर हजरतबल से रिपोर्टिंग भी की। मैंने वह दौर देखा है जब जम्मू-कश्मीर के हर कार्यालय, विधान सभा और हर नेता- पक्ष तथा विपक्ष के वाहनों पर दो झंडे लगे होते थे - एक भारत का और दूसरा जम्मू-कश्मीर रियासत का। भारत का कोई कानून भारतीय संसद द्वारा पारित होने के बावजूद जम्मू-कश्मीर में तब तक लागू नहीं होता था, जब तक वहां के राज्य की विधानसभा उसका अनुमोदन न कर दे!

(लेखक पांचजन्य के पूर्व संपादक और वरिष्ठ पत्रकार हैं)

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करें
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

छत्तीसगढ़ के बच्चों ने एंड्रूरियस स्केटिंग में लहराया परचम

भिलाई। पुणे में आयोजित एंड्रूरियस स्केटिंग नेशनल गेम्स में छत्तीसगढ़ के 22 बच्चों ने भाग लिया और उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इन बच्चों ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। भिलाई से कई बच्चे इस प्रतियोगिता में शामिल हुए और उन्होंने कई मेडल्स जीते। अंडर-6 में सिया ने 1 ब्रॉन्ज, अबीर माखीजा ने 2 गोल्ड, अंडर-9 में अगस्त्य कुटेल ने 2 गोल्ड और 1 सिल्वर मेडल जीता। अंडर-14 में आकाश ने 2 ब्रॉन्ज और 1 गोल्ड मेडल, देवांश विश्वकर्मा ने 2 ब्रॉन्ज और 1 सिल्वर मेडल, खुशी चानपुरियी ने 1गोल्ड 1ब्रॉन्ज और 1 सिल्वर मेडल, और वाहिनीत कोर ने 2 ब्रॉन्ज मेडल जीते।

डॉ. देशमुख और निर्मोही को स्व. कुलदीप सिंह साहू सम्मान

भिलाई। लोक कला एवं साहित्य संस्था सिरजन तथा साहित्य प्रकोष्ठ साहू मित्र सभा के संयुक्त तत्वावधान में साहू मित्र सभा सभागार सुपेला में कुलदीप सिंह साहू स्मृति सम्मान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर अतिथि साहित्यकार व समाजसेवी डॉ. वेदवती मंडावी, निर्मल ज्ञान मंदिर कबीर आश्रम नेहरू नगर के ट्रस्टी अध्यक्ष आत्माराम साहू, साहू मित्र सभा अध्यक्ष खेदराम साहू, वरिष्ठ साहित्यकार बद्री प्रसाद पारकर, सिरजन के प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. दीनदयाल साहू उपस्थित रहे। स्व. कुलदीप सिंह साहू स्मृति सम्मान वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. डीपी देशमुख को और ख्याति प्राप्त लोक कलाकार हेमलाल साहू निर्मोही को प्रदान किया गया।

विद्यार्थियों ने ग्राहक सेवा और उत्पाद प्रदर्शन को जाना

उपरवाह। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय स्टेशन मुढ़ीपार के कक्षा 9वीं रिटेल विषय के विद्यार्थियों को व्यावसायिक शिक्षा के अंतर्गत विषय आधारित फील्ड विजिट कराया गया। इस शैक्षणिक भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को रिटेल क्षेत्र की वास्तविक कार्यप्रणाली से परिचित कराना व उन्हें व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना था। फील्ड विजिट के दौरान विद्यार्थियों ने स्थानीय दुकानों का अवलोकन किया। दुकानदार, सेल्समैन व ग्राहकों से सीधे संवाद स्थापित किया। विद्यार्थियों ने स्टोर ऑपरेशन असिस्टेंट के कर्तव्यों, सेल्स पर्सन के कार्यों, ग्राहकों की इच्छाओं व सुविधाओं से संबंधित अनेक प्रश्न पूछे, जिनका उत्तर उन्हें प्राप्त हुआ। इस गतिविधि के माध्यम से विद्यार्थियों को रिटेल प्रबंधन, ग्राहक सेवा, उत्पाद प्रदर्शन, स्टॉक प्रबंधन तथा व्यवहार कुशलता जैसे विषयों की व्यावहारिक समझ विकसित हुई। विद्यार्थियों ने विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर विद्यालय में प्रस्तुत की।

महापौर ने शिवनाथ तट पर की भगवान भोलेनाथ की आराधना, नगरवासियों के लिए मांगा आशीर्वाद

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। महाशिवरात्रि पर्व के पावन अवसर पर शिवनाथ नदी के तट पर नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा भव्य रुद्राभिषेक एवं आरती का आयोजन किया गया। महापौर अलका बाघमार एवं सतीश बाघमार, सभापति श्याम शर्मा तथा सांस्कृतिक प्रभारी हर्षिका संभव जैन के साथ भगवान भोलेनाथ की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर रुद्राभिषेक किया और शहर की सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना की।

सभी ने मिलकर शिवनाथ नदी की आरती कर नगर एवं प्रदेश में शांति, सद्भाव और खुशहाली की कामना की।

महाशिवरात्रि के अवसर पर शिवनाथ तट पर बर्फ की सिल्ली से आकर्षक शिवलिंग का विशेष निर्माण कराया गया, इसके अलावा मिट्टी से महाकाल बाबा की प्रतिकृति बनाकर रुद्राभिषेक किया गया जो श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का प्रमुख केंद्र बना रहा।

इस अवसर पर महापौर अलका बाघमार ने समस्त शहरवासियों को महाशिवरात्रि की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान शिव एवं माता पार्वती की कृपा हम सभी पर बनी रहे। मानव जीवन ईश्वर का आशीर्वाद है और हमें अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए समाज एवं शहर की उन्नति में योगदान देना चाहिए। साथ ही सभी ने संकल्प लिया कि प्रदेश एवं शहर में शांति और सद्भाव का वातावरण बनाए रखने हेतु सदैव सकारात्मक कार्य करते रहेंगे।

उत्कृष्ट व्यवस्था हेतु महापौर एवं सभापति ने नगर पालिक निगम परिवार को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर एमआईसी सदस्य देवनारायण चंद्राकर, शेखर चंद्राकर, लीना दिनेश देवांगन, मनीष साहू, रंजीता पाटिल, सावित्री दमाहे, युवराज कुंजाम, गुलशन साहू, प्रतिभा सुरेश गुप्ता,उपायुक्त मोहेंद्र साहू, भवन अधिकारी प्रकाश चंद थवानी,विनोद मांझी, मोहित मरकाम, करण यादव, थान सिंह यादव, अभ्युदय मिश्रा, ईश्वर वर्मा सहित अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में आम नागरिक उपस्थित रहे।

भिलाई में सेवा का नया मॉडल : विधायक रिकेश ने शुरू की एक रुपए में डायलिसिस व सोनोग्राफी

अवकाश के दिनों को छोड़कर प्रतिदिन सुबह 8 से 11 बजे तक विधायक कार्यालय में खुला रहेगा पंजीयन

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। जनसेवा और जनहित के कार्यों को प्राथमिकता देते हुए वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर वैशाली नगर विधानसभा के निवासियों को स्वास्थ्य क्षेत्र में एक बड़ी सौगात दी है। भिलाई के जीरो रोड, शांति नगर स्थित विधायक कार्यालय में अब मात्र 1 रुपये में डायलिसिस और सोनोग्राफी की सुविधा उपलब्ध होगी।

विधायक रिकेश सेन ने रविवार को इस नई सेवा का विधिवत शुभारंभ किया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों पर इलाज के भारी बोझ को कम करना है।

सेवाओं का विवरण और समय

बता दें कि वैशाली नगर विधायक कार्यालय अब एक जन-सुविधा केंद्र के साथ-साथ 'हेल्थ हब' के रूप में भी उभर रहा है। यहां कई तरह की स्वास्थ्य सेवाएं न्यूनतम शुल्क पर दी जा रही हैं। नई सेवाओं की रूपरेखा निम्न अनुसार है। इसमें पात्र हितग्राहियों को मात्र 1 रुपये में डायलिसिस और 1 रुपये में सोनोग्राफी। की सुविधा प्राप्त होगी। इसके लिए प्रतिदिन सुबह 8 बजे से 11 बजे के बीच विधायक कार्यालय में अपना नाम लिखवाना होगा। यह सुविधा रविवार एवं शासकीय अवकाश के दिनों को छोड़कर यह सेवाएं नियमित रहेंगी।

उल्लेखनीय है कि विधायक कार्यालय में पहले से ही कई जनकल्याणकारी प्रकल्प संचालित किए जा रहे हैं। अब स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के साथ यहाँ फ्री ब्लड टेस्ट मरीजों के लिए 31 तरह की जांच पूर्णतः निःशुल्क है। इसके अलावा एक रूपये में एक्स-रे, सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए 1 रूपये किराये पर हेल्मेट सुविधा, जरूरतमंदों के लिए राम रसोई में भोजन की व्यवस्था, गरीब और असहाय लोगों के लिए कंबल बैंक के साथ ही आज से डायलिसिस और गर्भवती महिलाओं के लिए 1 रूपये में सोनोग्राफी सेवा भी शुरू हो गई है। शुभारंभ अवसर पर विधायक रिकेश सेन ने कहा कि हमारा लक्ष्य राजनीति के माध्यम से अंतिम व्यक्ति तक सेवा पहुँचाना है। महाशिवरात्रि के शुभ दिन से शुरू की गई 1 वाली डायलिसिस और सोनोग्राफी सेवा से उन मरीजों को बड़ी राहत मिलेगी जो आर्थिक तंगी के कारण अपना इलाज नहीं करा पाते थे।

समय पर जांच नहीं होने से इनका रोग बढ़ता चला जाता था और उसके बाद उन्हें कई तरह की परेशानियों से गुजरना पड़ता था। इस शुभारंभ कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक और भारी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे, जिन्होंने इस मानवीय पहल की सराहना की।

भिलाई में भोलेनाथ की बारात, एशिया बुक एवं इंडिया बुक ऑफ रिकार्ड्स में हुआ दर्ज

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। शिव और शक्ति के मिलन का पर्व महाशिवरात्रि के रंग में ट्विनसिटी सराबोर रहा। सुबह से ही देवबलौदा, बैकुंठधाम, सेक्टर-7 समेत सभी शिव मंदिरों में भगवान शिव की आराधना होती रही। वहीं खुर्सीपार में बोल बम सेवा एवं समिति की ओर से भगवान शिव की भव्य बारात निकाली गई। इसमें उपस्थित श्रद्धालुओं की संख्या करीब 54 से 55 हजार होने की वजह से इस कार्यक्रम का नाम एशिया बुक ऑफ रिकार्ड और इंडिया बुक ऑफ रिकार्ड में शामिल किया गया।

समिति के अध्यक्ष दया सिंह के नेतृत्व में यह आयोजन का 18 वां वर्ष है। भोले बाबा की बारात में छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, केरल, हरियाणा, ओडिशा समेत अन्य राज्यों की भगवान शिव की झांकियां शामिल हुईं। इसमें एक तरफ अघोरी नृत्य ने श्रद्धालुओं को अपनी ओर आकर्षित किया। वहीं केरल के कंटारा झांकी ने सभी का मनमोहा। हनुमान जी की झांकी ने लोगों में उत्साह भरा।

समिति के प्रदेश अध्यक्ष दया सिंह ने बताया कि भगवान शिव की बारात हथखोज से केनाल रोड होते हुए शाम 5 बजे शुरू हुई। कार्यक्रम में सांसद विजय बघेल, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव, पूर्व मुख्यमंत्री की पत्नी वीणा सिंह, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष धरमलाल कौशिक, गंगाजली एजुकेशन सोसायटी के चेयरमैन आईपी मिश्रा, पद्मश्री उषा बारले समेत कई जनप्रतिनिधि समेत कई हस्तियां शामिल हुईं।

इंटैक : वृक्षों के महत्व पर चर्चा व पोस्टर स्पर्धा

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। इंटेक के दुर्ग भिलाई चैप्टर द्वारा वृक्षों के महत्व पर चर्चा तथा राष्ट्रीय पोस्टर चित्रकला स्पर्धा का चैप्टर स्तरीय आयोजन आज आमदी विद्यापीठ, हुडको में संपन्न हुई। इस आयोजन में में दुर्ग-भिलाई के 8 स्कूलों के विद्यार्थी व शिक्षक तथा इंटेक के सदस्य शामिल हुए।

इस आयोजन की मुख्य अतिथि वनस्पति विज्ञानी डॉ उमा गुप्ता ने मनुष्य के जीवन में वृक्ष के महत्व को समझते हुए प्रत्येक विद्यार्थी से हर वर्ष में एक पेड़ लगाने का आव्हान किया। उन्होंने कहा कि वृक्षों से उत्सर्जित ऑक्सीजन ही मानव

सहित सभी जीव-जंतुओं को प्राणमय बनाए रखती है। शिक्षाविद् डॉ डी एन शर्मा ने वनांचल में आदिवासियों के वृक्षों पर सामाजिक-आर्थिक व सांस्कृतिक निर्भरता की चर्चा करते हुए बताया कि आदिवासी वृक्षों की न केवल पूजा करते हैं बल्कि वे उनके सबसे बड़े रक्षक भी है। पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी डॉ रजनी नेलसन ने वृक्षों के सामरिक महत्व को बतलाया। विद्या निकेतन की प्राचार्या माधुरी कलशकर ने हिन्दू ग्रंथों के चुनिंदा श्लोकों के माध्यम से पेड़ों की महिमा स्थापित की।

आरंभ में इंटेक की संयोजक डॉ हंसा शुक्ला ने इंटेक का परिचय देते हुए वृक्षों के सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डाला। परिचर्चा के पश्चात राष्ट्रीय पोस्टर चित्रकला स्पर्धा के अन्तर्गत भिलाई-दुर्ग के 8 स्कूलों के 72 विद्यार्थियों ने पोस्टर बनाएँ और वृक्षों के महत्व पर अपने विचार लिखें। डीपीएस भिलाई, आमदी विद्या निकेतन हुडको, एंजेल वेली स्कूल, तुलाराम आर्य कन्या विद्यालय दुर्ग, खालसा स्कूल दुर्ग, शारदा स्कूल रिसाली, मां शारदा स्कूल से-9 व सुभाष विद्या मंदिर के प्रतिभागी इसमें शामिल हुए। इस अवसर पर आमदी शिक्षा समिति के अध्यक्ष दीपक रुद्र, लक्ष्मी नाग, चित्रकार डा सुनीता वर्मा, विश्वास तिवारी, विशेष रूप से उपस्थित रहे।

महिला दिवस पर देहदानियों का अभिनन्दन

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। राष्ट्रीय महिला दिवस पर सामाजिक संगठन सर्व धर्म सेवा संस्था ने भिलाई निवास कॉफी हाउस में सम्मान समारोह का आयोजन किया। पुलवामा के वीर शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई। मुख्य अतिथि समाज सेवी इंद्र जीत सिंह छोटू थे। अध्यक्षता संस्था के अध्यक्ष सुरेश खाण्डवे ने की। विशेष अतिथि के रूप में वीरेन्द्र सतपथी एवं शहाना कुरैशी, निधि चंद्राकर एवं डॉ उदय थे। मुख्य अतिथि सिंह ने कहा कि देहदान चिकित्सा शिक्षा व अनुसंधान के लिए जरूरी है किन्तु इसके प्रति जनजागरूकता की आवश्यकता है।

शहाना कुरैशी ने शारदा एक्ट से लेकर विशाखा एक्ट तक का जिक्र

किया। शपथ फाउंडेशन के वीरेन्द्र सतपथी ने कहा कि प्रत्येक मृत परिजन स्वर्गीय ही कहलाता है। इसलिए स्वर्ग की चिंता छोड़ें और इस जीवन में कुछ न कुछ रचनात्मक करने और मानवता को लौटाने की कोशिश करें।

कार्यक्रम में अंगदान, देहदान का संकल्प लेने वाले 25 महिलाओं व 16 पुरुष महादानियों का सम्मान कर उनके मानवीय संकल्प को नमन किया गया। संचालन ज्योति शर्मा एवं प्रतीक भोई ने किया। घनश्याम पाण्डेय ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में प्रतीक भोई, राकेश रत्नाकर, घनश्याम पाण्डेय, रघुवंश सैनी, आदि उपस्थित थे।

राजहरा में छत्तीसगढ़ी लोक कला मंच 'जंवारा' सम्पन्न

श्रीकंचनपथ समाचार

दल्ली-राजहरा। सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र के सामाजिक निगमित उत्तरदायित्व विभाग एवं मानव संसाधन विभाग, राजहरा खदान के संयुक्त तत्वावधान में राजहरा क्षेत्र में छत्तीसगढ़ी लोक कला मंच 'जंवारा' का आयोजन किया गया।

मुख्य अतिथि मुख्य महाप्रबंधक (खदान) आर. बी. गहरवार रहे व विशिष्ट अतिथि के तौर पर महाप्रबंधक प्रभारी (खदान) जयप्रकाश, महाप्रबंधक बिपिन कुमार, महाप्रबंधक अरुण कुमार, एनके साहू तथा सीआईएसएफ के उप कमांडेंट श्री वांगखेम उपस्थित थे।

बीएसपी अपने सामाजिक निगमित उत्तरदायित्व (सीएसआर) दायित्वों के अंतर्गत आसपास के क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, खेलकूद,

कला एवं लोक संस्कृति के विकास हेतु निरंतर कार्य करती है। इसी क्रम में छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक संस्कृति एवं क्षेत्रीय कलाकारों को मंच प्रदान करने की दिशा में इस लोक कला कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य क्षेत्र की समृद्ध लोक परंपराओं के संरक्षण एवं संवर्धन के साथ-साथ स्थानीय कलाकारों को प्रोत्साहन प्रदान करना था।

कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ की विविध लोक विधाओं जैसे सुआ, ददरिया, कर्मा, पंडवानी, जसगीत, पंथी, राऊतनाचा एवं गौरा-गौरी की गीत-संगीत एवं नृत्य प्रस्तुतियां दी गई। प्रारंभ में उप प्रबंधक (मानव संसाधन) गिरीश कुमार मढ़रिया द्वारा अतिथियों का स्वागत करते हुए आयोजन में सामाजिक निगमित उत्तरदायित्व विभाग की सहभागिता तथा खदान प्रमुख मुख्य महाप्रबंधक (खदान) श्री आर. बी. गहरवार के मार्गदर्शन एवं सहयोग की सराहना की गई।

अपने संबोधन में मुख्य महाप्रबंधक (खदान) आरबी गहरवार ने राजहरा क्षेत्र में लंबे अंतराल के पश्चात इस प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम के पुनः आयोजन हेतु मानव संसाधन विभाग के प्रयासों की प्रशंसा की तथा भविष्य में भी ऐसे आयोजनों की निरंतरता की अपेक्षा व्यक्त की।

कार्यक्रम का संचालन मानव संसाधन विभाग के श्री रतिश मिश्रा द्वारा किया गया। आयोजन की सफलता में मानव संसाधन विभाग के शैलेश पटनायक, आनंद कुमार, राजेश पांडे, मुरलीधर चंद्राकर, संतराम साहू, घनश्याम पारकर, हरकराम तथा सामाजिक निगमित उत्तरदायित्व विभाग के कमलकांत वर्मा एवं बुधेलाल का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव समिति के कार्यालय का उद्घाटन

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव समिति दुर्ग का बांधा तालाब दुर्ग में कार्यालय का विधिवत नवकार महामंत्र के जप अनुष्ठान के साथ उद्घाटन संपन्न हुआ। पूर्व महापौर धीरज बाकलीवाल, कांतिलाल बोथरा निर्मल बाफना उत्तम भंडारी किशोर जैन सहित दिगम्बर एवं श्वेताम्बर जैन समाज के विभिन्न घटक दलों के लोग विशेष रूप से कार्यालय उद्घाटन के अवसर पर शामिल हुए।

जन्म कल्याणक महोत्सव के संयोजन एवं विधिवत संचालन के लिए जन्म महोत्सव समिति के पदाधिकारी विभिन्न घटक दलों के सदस्यों से नियमित सम्पर्क में रहते हुए कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करेंगे। भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव समिति के अध्यक्ष योगेश बरडिया ने पधारे सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए भगवान महावीर के जन्मोत्सव को भवतिभव रुप से मनाने के लिए सभी के प्रत्यक्ष सहयोग का निवेदन किया है

जन्म कल्याणक महोत्सव समिति के विजय कोठारी संदीप निमाणी मनीष बड़जात्या प्रभात सांखला प्रवीण बोथरा आकाश पारख अक्षय जैन राहुल बरमेचा नितेश जेन संभव जैन सहित जेन समाज के पदाधिकारी आयोजन को भव्य रूप देने में अपना मन धन तीनो समर्पित कर रहे हैं

यह आयोजन 27 मार्च से 31 मार्च तक विभिन्न सामाजिक सांस्कृतिक एवं सेवा के विभिन्न कार्यक्रमों के साथ बनाए जाने का निर्णय लिया गया है

Since 1972
CROWN-TV®
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास खबर

आरबीआई के सहयोग से बीजापुर में वित्तीय साक्षरता सप्ताह का आयोजन

बीजापुर। भारतीय रिजर्व बैंक एवं समर्पित संस्था के संयुक्त तत्वावधान में 13 फरवरी को जिला पंचायत सभागार में वित्तीय साक्षरता विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बैंक उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों एवं विभिन्न वित्तीय योजनाओं के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में कार्तिक राम बाँधेकर ने बताया कि वर्तमान समय में वित्तीय शिक्षा अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि इसके माध्यम से व्यक्ति अपने एवं अपने परिवार की आर्थिक व्यवस्था को सुव्यवस्थित कर सकता है। उन्होंने कहा कि बैंक से जुड़ा प्रत्येक उपभोक्ता अपने जमा धन और निवेश की विस्तृत जानकारी प्राप्त करने का अधिकार रखता है। यदि बैंक प्रबंधन जानकारी देने में असफल रहता है तो उपभोक्ता को तत्काल बैंकिंग लोकपाल से संपर्क करना चाहिए। कार्यक्रम में रायपुर आरबीआई से एल.डी.ओ. नवीन तिवारी, कमल तथा अग्रणी बैंक से अमृत कुमार इक्का सहित एनआरएलएम के बीपीएम उपस्थित रहे। वक्ताओं ने बताया कि वित्तीय साक्षरता के अभाव में लोग चिटफंड कंपनियों, ऑनलाइन शॉपिंग धोखाधड़ी, दूरभाष के माध्यम से एटीएम जानकारी साझा करने जैसी ठगी का शिकार हो रहे हैं।

नक्सल छाया से नवोदय की रोशनी तकः जब कलेक्टर ने विद्यार्थियों में भरा जोश

सुकमा। शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन और विकास कार्यों की समीक्षा के लिए दोरनापाल पहुंचे कलेक्टर ने पीएम जवाहर नवोदय विद्यालय, पेंटा का निरीक्षण कर विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और विधिवत पूजा-अर्चना के साथ हुई। स्वागत के दौरान बच्चों द्वारा स्वयं बनाए गए आकर्षक सेल्फ-मेड पोर्ट्रेट कलेक्टर को भेंट किए गए। यह दृश्य न केवल आत्मीय था, बल्कि विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा का प्रमाण भी था। कलेक्टर ने राष्ट्रीय स्तर पर अंतरविद्यालयीन खेलों में जिले का नाम रोशन करने वाले दो विद्यार्थियों को सम्मानित किया। साथ ही घोर नक्सल प्रभावित गांव पुवर्ती से निकलकर नवोदय विद्यालय में अध्ययनरत छात्र माड़वी अर्जुन को विशेष रूप से सम्मानित किया। यह सम्मान केवल एक छात्र का नहीं, बल्कि उस जज्बे का था जो विपरीत परिस्थितियों में भी सपनों को जिंदा रखता है।

शासकीय उच्चतर प्राथमिक शाला उमरिया में निबंध प्रतियोगिता आयोजित

महासमुंद। पशुपालन एवं डेयरी विभाग, भारत सरकार के निर्देशानुसार 14 जनवरी से 13 फरवरी 2026 तक जिले में पशु कल्याण जागरूकता माह का आयोजन किया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य आधुनिक पशुपालन पद्धतियों के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा पशु कल्याण को प्रोत्साहित करना है। इसी क्रम में उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवाएं डॉ. अंजना नायडू के मार्गदर्शन में विकासखंड बसना अंतर्गत शासकीय उच्चतर प्राथमिक शाला उमरिया में पशु संरक्षण विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में माध्यमिक स्तर के 55 छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागी विद्यार्थियों ने पशु संरक्षण एवं कल्याण पर अपने विचारों को रचनात्मक ढंग से प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार कुमारी महक मानिकपुरी, द्वितीय पुरस्कार कुमारी दिलेश्वरी सिदार तथा तृतीय पुरस्कार कुमारी चांदनी दीवान को प्रदान किया गया।

रायपुर को शहरी बाढ़ के खतरे से सुरक्षित करने की दिशा में सांसद बृजमोहन अग्रवाल की पहल

श्रीकंचनपथ समाचार

नई दिल्ली/ रायपुर। राजधानी रायपुर में लंबे समय से चली आ रही जलभराव और शहरी बाढ़ की समस्याओं के निपटारे और बाढ़ के बढ़ते खतरे से स्थायी सुरक्षा प्रदान करने के लिए, एक निर्णायक कदम उठाते हुए रायपुर लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से 220 करोड़ के व्यापक 'शहरी बाढ़ जोखिम प्रबंधन कार्यक्रम' को सैद्धांतिक मंजूरी देने का अनुरोध किया है।

220 करोड़ की शहरी बाढ़ जोखिम प्रबंधन योजना को शीघ्र स्वीकृति देने हेतु केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को लिखा पत्र

अग्रवाल ने पत्र में उल्लेख किया कि रायपुर शहर के लिए इस महत्वपूर्ण योजना के अंतर्गत 220 करोड़ रुपये की सैद्धांतिक स्वीकृति का प्रस्ताव को प्रस्तुत किया गया था। 10 नवंबर 2025 को जारी नवीन दिशानिर्देशों के अनुरूप छत्तीसगढ़ राज्य सरकार द्वारा प्रस्ताव में आवश्यक संशोधन किए गए, जिसे 23 जनवरी 2026 को राज्य कार्यकारी समिति से विधिवत स्वीकृति भी प्राप्त हो चुकी है। तकनीकी सलाहकार समिति द्वारा दिए गए सभी सुझावों एवं टिप्पणियों का समाधान करते हुए अनुपालन रिपोर्ट सहित संशोधित प्रस्ताव पत्र क्रमांक 504/पीडब्ल्यूडी/एनएनआर/2026 के माध्यम से पुनः प्रस्तुत किया गया है। इसके बावजूद अंतिम स्वीकृति लंबित है।

बृजमोहन अग्रवाल का कहना है कि, रायपुर के तेजी से होते शहरीकरण के कारण यहाँ का ड्रेनेज इंफ्रास्ट्रक्चर (निकासी व्यवस्था) पीछे छूट गया है, जिससे मानसून के दौरान गंभीर जलभराव की स्थिति बन जाती है। भाठागांव, प्रोफेसर कॉलोनी और अवंती विहार जैसे निचले इलाकों के निवासियों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा है, जहाँ भारी बारिश के कारण सड़कें जलमग्न हो जाती हैं और जनजीवन अस्त-व्यस्त हो जाता है।

बृजमोहन अग्रवाल का कहना है कि, जुलाई 2025 में, रायपुर में 33 घंटों के भीतर 103 मिमी से अधिक बारिश दर्ज की गई थी और प्रमुख चौराहे ठप हो गए थे। यह फंड शहर के स्टॉर्म वॉटर ड्रेनेज इंफ्रास्ट्रक्चर की कमियों को दूर करने में महत्वपूर्ण होगा। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि शहर में कहीं भी जलभराव न हो।

नगरीय निकायों में ऐतिहासिक जनादेश का एक वर्ष

सुशासन, पारदर्शिता और विकास पर जनता की मुहर : मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि पिछले वर्ष आज ही के दिन राजधानी रायपुर सहित प्रदेश के सभी 10 नगर निगमों में प्राप्त ऐतिहासिक जनादेश जनता के अटूट विश्वास का प्रमाण है। यह परिणाम सुशासन, पारदर्शिता और विकास के प्रति जनता की स्पष्ट आस्था की अभिव्यक्ति है।

मुख्यमंत्री श्री साय रायगढ़ प्रवास के दौरान महापौर जीवर्धन चौहान से भेंट कर एक वर्ष पूर्व इसी तिथि को मिले जनादेश को स्मरण कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि एक साधारण चाय विक्रेता से महापौर तक की श्री चौहान की यात्रा लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति और जनता के आशीर्वाद का जीवंत उदाहरण है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारी सरकार नगरीय निकाय चुनावों में किए गए प्रत्येक वादे को पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ धरातल पर उतार रही है।

स्वच्छता, पेयजल, सड़कों, स्ट्रीट लाइट तथा अन्य नागरिक सुविधाओं के विस्तार में निरंतर और ठोस प्रगति हो रही है। उन्होंने कहा कि नगरीय क्षेत्रों में सुशासन की स्थापना, आधुनिक सुविधाओं का विस्तार तथा आम नागरिकों को सरल, सुलभ और पारदर्शी सेवाएँ उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता है। राज्य सरकार ने शहरी विकास को जन-विश्वास और जन-भागीदारी से जोड़ते हुए योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष बल दिया है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में हमारी सरकार में नगरीय विकास के क्षेत्र में आवास, स्वच्छता, जल आपूर्ति, सीवरेज, हरित सार्वजनिक परिवहन, डिजिटल सेवाओं तथा आधारभूत अधोसंरचना के विस्तार में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल हुई हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत बड़ी संख्या में आवास पूर्ण किए गए हैं और नए लक्ष्यों पर तेजी से कार्य जारी है। स्वच्छ भारत मिशन के तहत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, गार्बेज फ्री सिटी रेटिंग तथा राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कारों के माध्यम से प्रदेश के नगरीय निकायों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। मिशन अमृत 2.0 के जरिए जल प्रदाय एवं सीवेज परियोजनाओं को नई गति मिली है। वहीं, पीएम ई-बस सेवा के माध्यम से शहरों में आधुनिक एवं पर्यावरण-अनुकूल सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा दिया गया है। 15वें वित्त आयोग तथा मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना के माध्यम से नगरीय अधोसंरचना को सुदृढ़ किया गया है।

उन्होंने कहा कि युवाओं के लिए नालंदा परिसर जैसे आधुनिक अध्ययन केंद्रों का विस्तार किया जा रहा है। साथ ही मोर संगवारी सेवा और विभिन्न ई-गवर्नेंस प्लेटफॉर्म के माध्यम से नागरिकों को घर बैठे सुविधाएँ उपलब्ध कराई जा रही हैं। इन समन्वित प्रयासों से नगरीय क्षेत्रों में सुशासन, पारदर्शिता और जनसुविधाओं का दायरा निरंतर सशक्त हो रहा है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सभी महापौरों एवं नगरीय निकाय प्रतिनिधियों को बधाई देते हुए कहा कि जनता का विश्वास ही हमारी सबसे बड़ी पूंजी है। उन्होंने कहा कि विकास, विश्वास और जवाबदेही के इस संकल्प को हम और अधिक मजबूत करते हुए प्रदेश के शहरों को समृद्ध, आधुनिक और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सतत कार्य करते रहेंगे।

स्कूटी दीदी : आत्मनिर्भरता की राह पर बढ़ता धमतरी

श्रीकंचनपथ समाचार

धमतरी। जिले में महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में शुरू की गई पहल स्कूटी दीदी आज एक प्रेरक सफलता की कहानी बन चुकी है। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा के मार्गदर्शन में संचालित इस अभियान ने 17 महिलाओं को न केवल दोपहिया वाहन चलाना सिखाया, बल्कि उन्हें आत्मविश्वास, आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता की नई पहचान भी दी। हैंडल थामते ही उनकी जीवन दिशा बदल गई और अब वे स्वयं अपनी नई परिभाषा गढ़ रही हैं।

प्रशिक्षण से परिवर्तन तक

प्रथम अरोड़ा फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित इस विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम में महिलाओं को स्कूटी संचालन की तकनीकी बारीकियों के साथ-साथ सड़क सुरक्षा नियम, यातायात संकेतों की समझ और सुरक्षित ड्राइविंग के व्यवहारिक कौशल सिखाए गए। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों में झलकता आत्मविश्वास इस बात का प्रमाण रहा कि अवसर मिलने पर महिलाएं किसी भी क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकती हैं।

लाइसेंस से नेतृत्व तक: नियमानुसार जिला परिवहन कार्यालय से लाइसेंस/अनुज्ञा प्राप्त करने के बाद ये महिलाएं अब अन्य महिलाओं को भी दोपहिया वाहन चलाना सिखाने के लिए सक्षम होंगी। इस प्रकार स्कूटी दीदी पहल प्रशिक्षण से आगे बढ़कर महिला से महिला तक सशक्तिकरण की मजबूत श्रृंखला तैयार कर रही है।

गणतंत्र दिवस मुख्य समारोह में स्कूटी दीदी समूह ने स्कूटी के साथ अनुशासित एवं आकर्षक प्रदर्शन कर सभी का ध्यान आकर्षित किया। उपस्थित अतिथियों एवं नागरिकों ने उनके साहस, आत्मविश्वास और कौशल की मुक्त कंठ से सराहना की। यह क्षण उनके लिए गर्व, उपलब्धि और नई पहचान का प्रतीक बन गया।

तपस्या सामाजिक सेवा संस्थान की आदिशक्ति वंदन सम्मान का भव्य आयोजन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। तपस्या सामाजिक सेवा संस्थान के इस गरिमामय कार्यक्रम में आज मुख्य अतिथि के रूप में राज्यपाल के उप सचिव सुश्री निधि साहू उपस्थित रहीं, अति विशिष्ट अतिथि के रूप में उमाशंकर बंदे अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी रायपुर एवं बजरंग पॉवर एण्ड इस्पात लिमिटेड के वरिष्ठ महाप्रबंधक श्री सुरेश अग्रवाल कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित रहे। अतिथियों की उपस्थिति में समाज में व्याप्त नशे की समस्या के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से एक विशेष जागरूकता पोस्टर का भी लोकार्पण किया गया। संस्था के अध्यक्ष ब्रजेश सतपथी ने स्वागत उद्बोधन दिया।

तपस्या सामाजिक सेवा संस्थान विगत 10 वर्षों से सामाजिक सेवा के क्षेत्र में कार्य करते आ रही है। इस अवधि में संस्थान द्वारा स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन, रक्तदान शिविर, बुजुर्गों के लिए डे-केयर सेंटर का संचालन, कंप्यूटर प्रशिक्षण, निर्धन बच्चों को निःशुल्क अध्ययन सामग्री वितरण तथा कौशल विकास प्रशिक्षण जैसे अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए गए हैं। कार्यक्रम प्रभारी डॉ. प्रीति सतपथी ने बताया, संस्थान के बैनर तले पहली बार आयोजित आदिशक्ति वंदन सम्मान का उद्देश्य समाज में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों को सम्मानित करने के साथ-साथ अधिक से अधिक लोगों को सामाजिक सेवा गतिविधियों से जोड़ना है।

कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने संस्थान के कार्यों की सराहना करते हुए कहा, की आगे भी यह अभियान जारी रहना चाहिए। मुख्य अतिथि सुश्री निधि साहू ने सम्मानित महिलाओं को जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हुए, कहा आज वो खुद जिस जगह पर हैं कैसे संघर्ष कर पहुंचीं जिसकी खूब प्रशंसा हुई। रायपुर एडीएम उमाशंकर बांधे ने सामाजिक सेवा में एनजीओ की भूमिका व प्रशासन की सीमाओं का उल्लेख करते हुए संस्थान के द्वारा किये जा रहे कार्यों को आज की जरूरत बताते हुए। आगे भी ऐसे कार्यों में जुड़े रहने प्रेरित किया। सुरेश अग्रवाल ने संस्था के कार्यों में हर सम्भव मदद की बात कही। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों की अनेक महिलाओं को सम्मानित किया गया, सोनल शर्मा जिन्हें कला के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने सम्मानित किया गया, ने संस्थान द्वारा अगले आयोजन में निर्धन बच्चों को स्टेशनरी के गिफ्ट देने की घोषणा की इसके अलावा शिरीन जोशी, शारदा सोनी, डॉ. रश्मि दुबे, डॉ. मधुलिका अग्रवाल, डॉ. प्रीति केशवानी, डॉ. गार्गी पांडे, डॉ. शुभा मिश्रा, डॉ. सरस्वती देवी बेरवंशी, डॉ. बबीता साहू, डॉ. अरुणिमा वर्मा, ज्योति सिंह तथा पल्लवी मिश्रा शामिल रहीं।

लोकसंगीत और बॉलीवुड सुरों से सजा मैनपाट महोत्सव

अलका चंद्राकर और वैशाली रायकवार की प्रस्तुतियों ने देर रात तक दर्शको को बांधे रखा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के 'शिमला' के नाम से विख्यात मैनपाट में आयोजित तीन दिवसीय महोत्सव का दूसरा दिन सांस्कृतिक वैभव, उत्साह और जनसैलाब के नाम रहा। सुरों की मधुर गूंज, रंगारंग नृत्य प्रस्तुतियां और मेले की चहल-पहल ने पूरे वातावरण को उत्सवमय बना दिया। मशहूर छत्तीसगढ़ी लोकगायिका अलका चंद्राकर और इंडियन आइडल फेम वैशाली रायकवार की शानदार प्रस्तुतियों ने देर रात तक दर्शकों को बांधे रखा।

कार्यक्रम की शुरुआत अलका चंद्राकर की भक्तिमय जसगीत प्रस्तुति से हुई, जिसने वातावरण को आध्यात्मिक रंग में रंग दिया। इसके बाद ददरिया, सुवा गीत और पारंपरिक छत्तीसगढ़ी लोकधुनों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने श्रोताओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। उनकी सुमधुर आवाज और मंच पर सहज प्रस्तुति ने लोकसंस्कृति की छटा बिखेर दी।

वैशाली रायकवार ने अपने दमदार स्वर और लोकप्रिय बॉलीवुड गीतों की श्रृंखला से महफिल में जोश भर दिया। एक के बाद एक प्रस्तुत गीतों पर दर्शक झूमते रहे और तालियों की गड़गड़ाहट से पूरा परिसर गूंज उठा। युवा दर्शकों में खासा उत्साह देखने को मिला।

जांजगीर-चांपा से आए शांति प्रतिमा डांस ग्रुप के ट्रांसजेंडर कलाकारों ने 'नौ दुर्गा' स्वरूप में भावपूर्ण नृत्य-नाटिका प्रस्तुत कर सभी का दिल जीत लिया। उनकी ऊर्जा, अभिव्यक्ति और समर्पण ने कार्यक्रम को विशेष आयाम दिया।

स्थानीय कलाकारों—आँचल मदलियार, मनप्रीत, दिलबाग सिंह, माही जायसवाल और हर्ष पुरी—ने भी अपनी सशक्त प्रस्तुतियों से दर्शकों की खूब सराहना बटोरी।

नवीन शासकीय संगीत महाविद्यालय, अंबिकापुर की छात्राओं ने कत्थक नृत्य की सुंदर प्रस्तुति देकर शास्त्रीय कला की गरिमा को मंच पर जीवंत किया। वहीं स्कूली बच्चों ने गीत और नृत्य के माध्यम से अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन कर सबका मन मोह लिया।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ महोत्सव स्थल पर सजे भव्य मेले में देर शाम तक भारी भीड़ उमड़ती रही। झूले, खानपान और विभिन्न स्टॉल आकर्षण का केंद्र बने रहे। पर्यटकों और स्थानीय लोगों ने बोटिंग का भरपूर आनंद लिया। दंगल प्रतियोगिता में पहलवानों के बीच हुए रोमांचक और दमदार मुकाबलों को देखने के लिए दर्शकों में विशेष उत्साह देखा गया। हर दांव-पेच पर तालियों और उत्साहवर्धन की आवाजें गूंजती रहीं। कार्यक्रम में कलेक्टर अजीत वसंत, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल, जिला पंचायत सीईओ विनय कुमार अग्रवाल, अपर कलेक्टर सुनील नायक, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमोलक सिंह ढिल्लो, जनपद उपाध्यक्ष अनिल सिंह, श्री रजनीश पाण्डेय, श्री राम यादव सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण और बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

18 फीट ऊंचे शिव प्रतिमा का मंत्री लखन लाल देवांगन ने पूजन अर्चना कर किया अनावरण

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। कैबिनेट मंत्री लखन लाल देवांगन रविवार को महाशिवरात्रि के अवसर पर कोरबा शहर के विभिन्न शिवालयों में आयोजित धार्मिक अनुष्ठान में सम्मिलित हुए। जेसीआई कोरबा द्वारा मोतीसागर बस्ती के समीप मुक्तिधाम में भगवान शंकर की 18 फीट ऊंची मूर्ति की कैबिनेट मंत्री सह कोरबा नगर विधायक लखन लाल देवांगन ने पूजा-अर्चना कर अनावरण किया।

इस अवसर पर मंत्री लखन लाल लाल देवांगन ने जेसीआई कोरबा द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि जब वह कोरबा के महापौर थे तब इस मुक्तिधाम का कायाकल्प किया गया था। जेसीआई ने इस मुक्तिधाम की व्यवस्था कब बेहतर तरीके से रखरखाव एवं संचालन किया जा रहा है।

इस अवसर पर टी एन बजाज, अभिषेक अग्रवाल राम कुमार सोनी, रोहित असरानी, निश्छल टमकोरिया, पी एस गांधी जी, सभापति नूतन सिंह, भाजपा जिला उपाध्यक्ष प्रफुल्ल तिवारी, पार्षद रूबी सागर, पार्षद राधा महंत, पार्षद तामेश अग्रवाल, पार्षद नरेंद्र देवांगन, मंडल अध्यक्ष योगेश मिश्रा, अग्रवाल सभा के अध्यक्ष राजेंद्र अग्रवाल भी उपस्थित रहे। इसी तरह मंत्री लखन लाल देवांगन मानिकपुर में भगवान शंकर की प्राण प्रतिष्ठा में सम्मिलित होकर पूजा अर्चना की। समिति की मांग पर मंदिर के पास सामुदायिक भवन हेतु 15 लाख की घोषणा की। नेहरू नगर कुआं भट्ठ में महिला समिति द्वारा आयोजित शिव मंदिर परिसर में रुद्राभिषेक में सम्मिलित होकर पूजन अर्चना किया। मंदिर परिसर में किचन शेड हेतु 5 लाख की घोषणा की। इसी तरह बालको नगर के परसा भाटा बिहीबड्ढी में नवनिर्मित शंकर मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा में सम्मिलित होकर पूजा अर्चना कर क्षेत्र वासियों के मंगल कामना की। समिति की मांग पर मंदिर परिसर में सामुदायिक भवन हेतु 10 लाख की घोषणा की।

बुधवारी बस्ती को सामुदायिक भवन की सौगात, किया लोकार्पण

कोरबा नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत गौरी शंकर मंदिर के समीप बने 10 लाख की लागत के सामुदायिक भवन का फीता काटकर लोकार्पण किया। इस अवसर पर क्षेत्र वासियों ने मंत्री देवांगन का अभिनंदन किया। कार्यक्रम में सभापति नूतन सिंह, पार्षद सुख सागर निर्मलकर, पार्षद पंकज देवांगन, पार्षद नरेंद्र देवांगन, पार्षद अशोक चावलानी, पार्षद ममता यादव, जिला उपाध्यक्ष प्रफुल्ल तिवारी के साथ-साथ क्षेत्रवासी अधिक संख्या में उपस्थित रहे।

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131
अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, कैम्प 2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

आईना हैं अनुभव सिन्हा की फिल्में - तापसी पन्नू

'मुल्क', 'थप्पड़' और 'आर्टिकल 15' जैसी फिल्मों में काम करने के बाद तापसी पन्नू अब अनुभव सिन्हा के साथ आ रही फिल्म अस्सी को लेकर उत्साहित हैं। तापसी ने अनुभव सिन्हा के साथ काम करने के अनुभव को शानदार बताया। तापसी पन्नू ने उन्हें एक ऐसा निर्देशक बताया जो कहानियों को बहुत सच्चाई और सरलता से पेश करते हैं।

तापसी ने कहा, मैं अनुभव सिन्हा को सिर्फ कोर्टरूम ड्रामा तक सीमित नहीं रखना चाहती। उन्हें बहुत सी ऐसी चीजों को बेहतरीन तरीके से सामने लाने की कला आती है जो उनकी फिल्मों को ड्रामाई रूप से रियल और शानदार बनाती हैं। चाहे 'मुल्क' या 'अस्सी' जैसे कोर्टरूम ड्रामा हों या 'थप्पड़' और 'आर्टिकल 15' जैसी कहानियां, उनकी कहानी कहने का अंदाज बेहतरीन है और वह सच को सहजता से सामने लाते हैं।

उन्होंने आगे बताया कि अनुभव सिन्हा जिंदगी की सच्चाई को इतनी आसानी से दिखाते हैं कि एक बार सामने आने के बाद उसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यही वजह है कि उनकी फिल्में इतनी असरदार बनती हैं। तापसी का मानना है कि जब कोई डायरेक्टर सबसे साधारण कहानियों को भी दमदार तरीके से पेश कर सकता है तो एक्टर उसके साथ सबसे सुरक्षित महसूस करता है।

उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि कोई यह कह सकता है कि अनुभव की फिल्मों में किसी एक्टर ने अच्छा काम नहीं किया। अनुभव जो मटेरियल और सीन देते हैं, उनमें अगर एक्टर पूरी तरह कमिटेड है तो गलत होने की गुंजाइश बहुत कम रहती है। उनके दिए डायलॉग और मोमेंट्स एक बच्चे को कैंडी शॉप में मिलने वाली खुशी जैसे होते हैं।

'अस्सी' में तापसी पन्नू के साथ लीड रोल में कनी कुसरुति, रेवती, मनोज पाहवा, कुमुद मिश्रा और मोहम्मद जीशान अय्यूब नजर आएंगे। फिल्म में नसीरुद्दीन शाह, सुप्रिया पाठक और सीमा पाहवा के स्पेशल अपीयरेंस भी हैं। अनुभव सिन्हा के निर्देशन में तैयार फिल्म को गुलशन कुमार और टी-सीरीज पेश कर रहे हैं। यह बनारस मीडिया वर्क्स का प्रोडक्शन है, जिसे भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, और अनुभव सिन्हा ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म 20 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

दो दीवाने सहर में, में नैना बनकर सीखा कि भाई-बहनों के बीच तुलना, खुशियां चुरा लेती हैं संदीपा धर

20 फरवरी को रिलीज़ होने जा रही फिल्म 'दो दीवाने सहर में' में नैना के किरदार में नज़र आने जा रही संदीपा धर ने हाल ही में अपने फैंस के साथ एक ऐसा भावुक और सच्चा अनुभव साझा किया है, जिससे हम सब कभी न कभी गुज़रे होंगे। फिल्म में मृणाल ठाकुर की बहन बनी संदीपा धर ने जिस खूबसूरती से अपनी बात रखी है, उससे उनके फैंस उनकी तारीफ़ करते नहीं थक रहे हैं। हालांकि अपने इस पोस्ट के ज़रिए उन्होंने न सिर्फ समाज की सच्चाई सामने रखी है, बल्कि फिल्म के भावनात्मक पहलू को भी उजागर किया है।

संदीपा ने अपने सोशल मीडिया पर एक संदेश के साथ कड़वी सच्चाई बयां करते हुए लिखा है, अपने भाई या बहन को देखो, वह कितना अच्छा हैज यह एक ऐसा वाक्य है जो बचपन की अनकही यादों को तुरंत जगा देता है। इस नोट के साथ उन्होंने यह भी बताया कि फिल्म में नैना और रोशनी का रिश्ता इसी तुलना के दुष्चक्र से गुजरता है।

रोशनी को बार-बार यह एहसास दिलाया जाता है कि वह 'काफी नहीं' है, और नैना पर 'बहुत ज़्यादा परफेक्ट' बने रहने का दबाव रहता है। संदीपा के मुताबिक, नैना का किरदार निभाते हुए उन्हें समझ आया कि कैसे लगातार तुलना किसी की पहचान, आत्मविश्वास और रिश्तों को धीरे-धीरे खोखला कर देती है।

संदीपा कहती हैं कि तुलना, भाई-बहनों को प्रतिद्वंद्वी बना देती है, प्यार को शर्तों से जोड़ देती है और ऐसे ज़ख्म छोड़ जाती है जिन्हें भरने में सालों लग जाते हैं। माता-पिता, शिक्षक या रिश्तेदार अक्सर अनजाने में कहे गए अपनी बहन जैसी बनो जैसे वाक्यों के असर को नहीं समझ पाते, लेकिन वही बातें जीवन भर दिमाग में गूंजती रहती हैं।

गौरतलब है कि रोमांस से आगे बढ़कर, दो दीवाने सहर में एक ऐसी सच्चाई को सामने लाती है, जिसे आप छोटी उम्र से ही महसूस करना शुरू कर देते हैं। यकीन मानिए, यह तुलना सिर्फ बचपन को नहीं, बल्कि इंसान की पूरी पहचान को आकार देती है। ऐसे में ये फिल्म दर्शकों से भी एक सीधा सवाल पूछती है कि बचपन में आप नैना थीं या रोशनी?

शनाया कपूर को बचपन से लगता है इस चीज से डर 'तू या मैं' की शूटिंग में इस तरह किया सामना

शनाया कपूर इन दिनों अपनी नई रिलीज हुई फिल्म 'तू या मैं' को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में उन्होंने फिल्म में शूटिंग को लेकर एक खुलासा किया है। उन्होंने बताया है कि उन्हें ऊंचाई से डर लगता है। ऐसे में इस फिल्म में ऊंचाई वाला एक सीन शूट करना था। उन्होंने बताया है कि उस सीन को शूट करने में उन्हें कितनी दिक्कत हुई और किसने उनका साथ दिया।

शनाया को लगता है ऊंचाई से डर

शनाया कपूर ने बताया 'जब हम ऊंचाई वाला सीन शूट कर रहे थे, तो मैं सीधी चल रही थी। लेकिन मेरे मन में ऐसा लग रहा था कि मैं उस तरफ इसलिए जा रही हूं क्योंकि मुझे ऊंचाई से डर लगता है। उस समय मैं टेंशन में थी लेकिन अवनि बहुत शांत थी। मुझे सीन में वही शांति लानी थी'

मेंटल फोकस बना टूल

उन्होंने आगे बताया कि शूटिंग के दौरान मेंटल फोकस उनका सबसे बड़ा टूल बन गया। उन्होंने कहा 'मुझे लगता है कि यह सब उस पल पर ध्यान देने से आसान हुआ। मैंने सोचा कि मैं शांत रहूं।। ज्यादा ना सोचूं। बस अपना बेस्ट दूं। वर्कशॉप में जो कुछ भी सीखा है उस पर ध्यान दूं और सेट पर इसका इस्तेमाल करूं।'

इन लोगों ने की मदद

शनाया कपूर ने बताया कि उन्हें फिल्म में एक्टिंग करने में निर्देशक बिजॉय नांबियार और एक्टिंग कोच अतुल ने बहुत मदद की। उन्होंने बताया कि आदर्श गौरव ने अभिनय में उनका बहुत साथ दिया।

कब रिलीज हुई फिल्म?

फिल्म 'तू या मैं' 13 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। इसमें शनाया कपूर के साथ आदर्श गौरव ने अहम किरदार निभाया है। इसके निर्देशक बिजॉय नांबियार हैं। पहले दिन इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 60 लाख रुपये से खाता खोला है।

एनिमल 2 पर आया बड़ा अपडेट, हीरो के साथ विलेन बनेगा रणबीर कपूर

फिल्म मेकर संदीप रेड्डी वांगा ने अपनी 2023 की ब्लॉकबस्टर फिल्म एनिमल के सीक्वल एनिमल पार्क पर बड़ा अपडेट दिया है। एनिमल के जापान प्रीमियर के अवसर पर आयोजित एक वर्चुअल प्रेस मीट में संदीप रेड्डी वांगा ने फिल्म की शूटिंग, टाइटल और रणबीर कपूर के किरदार का खुलासा किया है।

जापान के वर्चुअल प्रेस मीट में संदीप रेड्डी वांगा ने बताया कि उन्होंने एनिमल के सीक्वल का नाम एनिमल पार्क क्यों रखा। साथ ही उन्होंने यह भी खुलासा किया कि वह एनिमल पार्क की शूटिंग अगले साल शुरू करने वाले हैं।

संदीप रेड्डी वांगा ने फिल्म के टाइटल के चुनाव के बारे में बात करते हुए कहा, मेरी अभी की फिल्म खत्म होने के बाद एनिमल पार्क जल्द ही शुरू होगी। फिल्म में और भी एनिमल्स होंगे क्योंकि अजीज भी एक एनिमल है। तो, इसे ध्यान में रखते हुए अब दोनों भाइयों के बीच एक जैसा लड़ाई है, इसलिए मुझे लगा कि एनिमल पार्क सही टाइटल होगा।

इस दौरान वांगा ने फिल्म की शूटिंग के बारे में भी खुलासा किया है। फिल्म मेकर ने कहा, हम 2027 के बीच में शूटिंग शुरू करेंगे। इस इवेंट में रणबीर कपूर जूम कॉल के जरिए जुड़े हुए थे। उन्होंने न सिर्फ अपने किरदार रणविजय सिंह को दोबारा निभाने के बारे में बात किया बल्कि विलेन अजीज का किरदार निभाने को लेकर भी अपनी एक्साइटमेंट जाहिर की।

बर्फी एक्टर ने खुलासा किया कि वह एनिमल पार्क में डबल रोल निभाने वाले हैं। उन्होंने कहा, मैं संदीप के साथ सेट पर वापस जाने के लिए काफी एक्साइटेड हूं। साथ अपने इस किरदार (रणविजय सिंह) और दूसरे नए किरदार को निभाने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। क्योंकि यह एक कंटिन्यू चलने वाली स्टोरी है, इसलिए पार्ट वन की शूटिंग के दौरान ही उनके दिमाग में पार्ट टू की कहानी बहुत साफ थी। इसलिए, एक एक्टर के तौर पर यह मेरे लिए बहुत प्रेरणादायक है।

उन्होंने आगे कहा, मैं और संदीप पूरे हफ्ते या महीने एक-दूसरे से बात करते रहते हैं और अलग-अलग आइडिया पर चर्चा करते रहते हैं। मैं सच में रणविजय और अजीज का किरदार निभाने के लिए सेट पर वापस जाने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं।

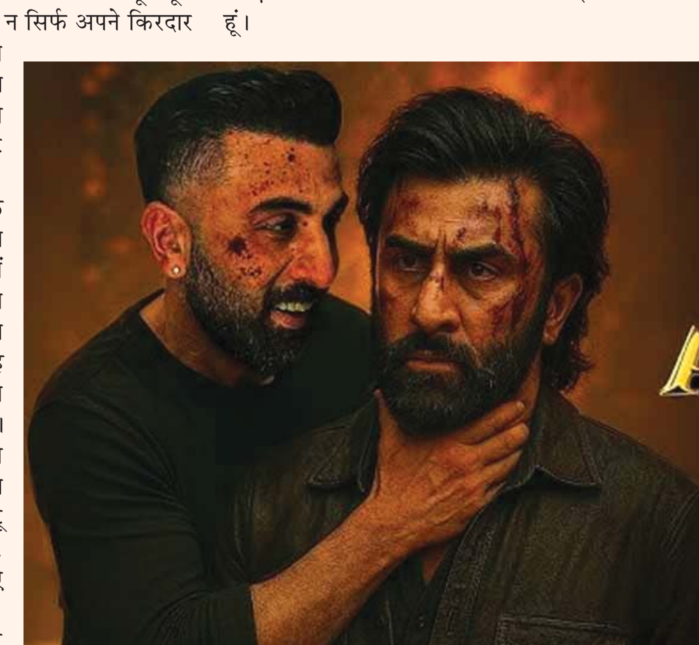

घर के बगीचे में आसानी से उगाया जा सकता है खीरा, जानिए इसका तरीका

लंबा खीरा एक पौष्टिक सब्जी है, जिसे आप अपने घर के बगीचे में आसानी से उगा सकते हैं। यह सब्जी सलाद, सब्जी या अचार के रूप में उपयोग की जा सकती है। इसमें विटामिन और मिनरल की भरपूर मात्रा होती है, जो आपके स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद हो सकती है। इस लेख में हम आपको लंबा खीरा उगाने के सरल और प्रभावी तरीके बताएंगे, जिससे आप अपने घर के बगीचे में ताजगी और पौष्टिकता ला सकते हैं।

सही जगह चुनें

लंबा खीरा उगाने के लिए सबसे पहले आपको सही जगह चुननी होगी। ऐसी जगह चुनें जहां पर धूप अच्छी तरह से आती हो, क्योंकि खीरे को बढ़ने के लिए दिन में कम से कम 6-8 घंटे धूप जरूरी होती है। इसके अलावा जगह ऐसी होनी चाहिए, जहां पानी निकास अच्छी तरह हो सके। इससे पौधे में ज्यादा पानी नहीं रुकेगा और जड़ें सड़ने से बच जाएंगी। अच्छे जल निकास से पौधे स्वस्थ रहते हैं।

बीज बोना

लंबा खीरा उगाने के लिए सबसे अहम बीज बोने की प्रक्रिया होती है। बीज बोने के लिए सबसे पहले मिट्टी तैयार करें और उसमें अच्छी तरह से खाद मिलाएं। इसके बाद बीजों को 2-3 इंच गहराई पर डालें और हल्की मिट्टी से ढक दें, ताकि वे सुरक्षित रहें। ध्यान रखें कि बीजों के बीच कम से कम 1-2 फीट की दूरी हो, ताकि हर पौधा अच्छी तरह से विकसित हो सके।

नियमित पानी दें

बीज बोने के बाद नियमित रूप से पौधों को पानी दें, लेकिन ध्यान रखें कि ज्यादा पानी न दें। ऐसा करने से पौधे सड़ सकते हैं। सबसे अच्छा समय सुबह या शाम का होता है, जब सूरज की रोशनी कम होती है। इस समय पानी देने से मिट्टी भी ठंडी रहती है और पौधों को पर्याप्त नमी मिलती है। हर दिन एक बार हल्का छिड़काव करें, ताकि पौधे स्वस्थ रहें और उनकी वृद्धि सही तरीके से हो सके।

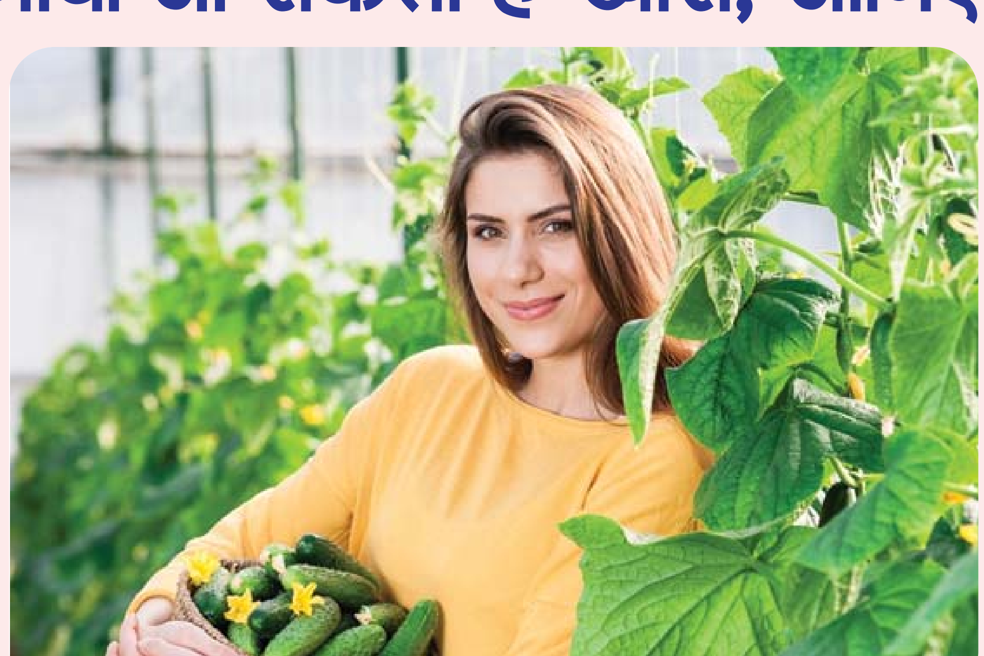

खाद का उपयोग करें

पौधों को स्वस्थ रखने के लिए समय-समय पर खाद और पोषण का उपयोग करना जरूरी होता है। हर महीने पौधों में एक बार जैविक खाद डालें, जिससे मिट्टी की गुणवत्ता बेहतर होगी। इसके अलावा पोषक तत्वों की कमी दूर होगी और खीरे का उत्पादन भी बढ़ेगा। पोषण के रूप में नीम खली, गोबर खाद या वर्मीकम्पोस्ट का उपयोग कर सकते हैं। इससे पौधों की वृद्धि तेज होगी और वे ज्यादा स्वस्थ रहेंगे।

कीड़े भगाने के उपाय

पौधों को कीड़ों से बचाने के लिए समय-समय पर कीड़े भगाने के उपाय करें। इसके लिए आप नीम के तेल या बेकिंग सोडा के मिश्रण का उपयोग कर सकते हैं। इनसे न केवल कीड़े भागते हैं, बल्कि पौधों की जड़ों को भी मजबूती मिलती है। ये सरल तरीके अपनाकर आप अपने घर के बगीचे में आसानी से लंबा खीरा उगा सकते हैं। इस तरह न केवल आपको ताजगी भरे खीरे मिलेगी, बल्कि पौष्टिकता भी मिलेगी।

राजिम कुंभ कल्प 2026 समापन समारोह

राजिम कुंभ कल्प छत्तीसगढ़ की अस्मिता एवं पहचानः साय

श्रीकंचनपथ समाचार

राजिम। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजिम में आयोजित राजिम कुंभ कल्प 2026 के समापन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि यह आयोजन छत्तीसगढ़ की आध्यात्मिक चेतना, सांस्कृतिक गौरव और सामाजिक समरसता का जीवंत प्रतीक है। उन्होंने कहा कि राजिम कुंभ कल्प केवल एक धार्मिक मेला नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की अस्मिता और पहचान का प्रतीक पर्व है। मुख्यमंत्री ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए राजिम में सर्वसुविधायुक्त धर्मशाला निर्माण हेतु 50 लाख रुपये की घोषणा की। साथ ही, राजिम बैराज कार्य को शीघ्र प्रारंभ करने और पूर्व में प्रस्तावित विकास कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री साय ने मुख्य मंच पर भगवान राजीव लोचन की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की। उन्होंने अपने उद्बोधन की शुरुआत भगवान श्री राजीव लोचन, कुलेश्वर महादेव, राजिम दाई, छत्तीसगढ़ महतारी और भारत माता के जयघोष के साथ की। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि महानदी, पैरी और सोंढूर नदियों के त्रिवेणी संगम की पावन भूमि सदियों से तप, त्याग और साधना की साक्षी रही है। छत्तीसगढ़ का प्रयाग कहे जाने वाला राजिम अपनी आध्यात्मिक गरिमा के कारण विशेष स्थान रखता है।

महाशिवरात्रि की शुभकामनाएँ देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान शिव त्याग, संयम और सेवा के प्रतीक हैं, जिनका संदेश आज के युग में संतुलन और समर्पण का मार्ग दिखाता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा श्रद्धालुओं के लिए आवागमन, स्वच्छता, पेयजल, स्वास्थ्य सेवा, प्रकाश व्यवस्था एवं सुरक्षा के व्यापक प्रबंध सुनिश्चित किए गए थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाले वर्षों में राजिम कुंभ मेला-स्थल को और अधिक सुव्यवस्थित एवं भव्य बनाया जाएगा तथा इसे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित आध्यात्मिक आयोजन के रूप में विकसित किया जाएगा। उन्होंने प्रदेशवासियों से सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण तथा युवा पीढ़ी को परंपराओं से जोड़ने का आह्वान किया।

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री दयाल दास बघेल ने कहा कि राजिम कुंभ कल्प सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय एकता का विराट उत्सव है। इस वर्ष पंचकोसी धाम और द्वादश ज्योतिर्लिंग की थीम ने आयोजन को विशेष स्वरूप प्रदान किया।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि राजिम कुंभ कल्प छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान का उत्सव है और इसे राष्ट्रीय धार्मिक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में सरकार प्रतिबद्ध है, जिससे स्थानीय रोजगार और अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी। कार्यक्रम में राजिम विधायक रोहित साहू, अभनपुर विधायक इंद्रकुमार साहू सहित अनेक जनप्रतिनिधि, संत-महात्मा एवं साधु-संतों की गरिमामय उपस्थिति थी।

अनुराग शर्मा नाइट्स की जादुई आवाज से झूम उठा राजिम कुंभ कल्प, मुख्यमंच पर उमड़ा जनसैलाब

श्रीकंचनपथ समाचार

राजिम। राजिम कुंभ कल्प के 14वें दिन मुख्य मंच पर सुरों का ऐसा जादू बिखरा कि पूरा मेला परिसर संगीत की लहरियों में डूब गया। विशेष आकर्षण रहे मेगा स्टार गायक अनुराग शर्मा के नाम की मंच से जैसे ही घोषणा हुई, दर्शक दीर्घा में बैठी भीड़ ने पूरे उत्साह के साथ उनका स्वागत किया।

कार्यक्रम की शुरुआत अनुराग शर्मा ने देवा श्री गणेशा से की, जिसने माहौल को भक्तिमय बना दिया। इसके बाद फ़कोरी-कोरी नारियल चढ़ाव दाई तोला वो और तोर मंदिर म दाई चुनरी चढ़ाव जैसे छत्तीसगढ़ी गीतों ने दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। गीत कोनो गाहू गोरी तोर नाव के, चंदा रे चंदा, तुम तो ठहरे परदेशी, धीरे-धीरे से मेरी जिंदगी में आना और छुनुर-छुनुर पैरी बाजे जैसे गीतों पर दर्शकों ने जमकर तालियां बजाई और मोबाइल फ्लैश की रोशनी से माहौल जगमगा उठा।

कार्यक्रम के दौरान प्रदेश भाजपा अध्यक्ष व जगदलपुर विधायक किरणदेव सिंह, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री टंकराम वर्मा और राजिम विधायक का मुख्य मंच पर आगमन हुआ। मंत्री टंकराम वर्मा ने भी महानदी के पानी हव, छत्तीसगढ़ के माटी हव गीत गाकर सुर से सुर मिलाए। मंत्री की प्रस्तुति पर दर्शक दीर्घा तालियों से गूंज उठा।

इससे पूर्व संतोष सिन्हा ने हर-हर भोला और चलो माता का बुलावा आया है जैसे भजनों से वातावरण को भक्तिमय बनाया। यशोमती सेन बोरिद ने पंडवानी शैली में परीक्षित को श्राप की कथा का सजीव वर्णन कर श्रोताओं को भाव विभोर कर दिया। वहीं लोककला मंच के राजेन्द्र साहू ने मोर बम लहरी और संगी मोर जैसे गीतों से समां बांध दिया।कार्यक्रम के अंत में कलाकारों को स्मृति चिन्ह एवं पुष्प गुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया। आयोजन का सफल संचालन निरंजन साहू, पतंजल मिश्रा और दुर्गेश तिवारी ने किया।

महाशिवरात्रि पर कुलेश्वरनाथ व राजीवलोचन मंदिर में उमड़ी अपार भीड़, घंटों इंतजार के बाद मिले दर्शन

श्रीकंचनपथ समाचार

राजिम। राजिम में महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर आस्था का अद्भुत नजारा देखने को मिला। तीन नदियों के संगम पर स्थित पंचमुखी कुलेश्वरनाथ महादेव मंदिर और राजीवलोचन मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह से ही मंदिर परिसर में लंबी कतारें लग गईं और श्रद्धालुओं को दर्शन के लिए घंटों इंतजार करना पड़ा।

मंदिर के सामने प्रशासन द्वारा तीन से चार कतारों में बैरिकेड्स लगाए गए थे। बैरिकेड्स भरने के बाद श्रद्धालुओं की लाइन दूर तक फैल गई। चिलचिलाती धूप में भी श्रद्धालु अडिग भाव से खड़े रहे। प्रशासन ने धूप से राहत देने के लिए पंडाल की व्यवस्था की थी, लेकिन बढ़ती भीड़ के कारण कई श्रद्धालुओं को खुले में ही इंतजार करना पड़ा। महिलाओं और पुरुषों के लिए अलग-अलग कतारें बनाई गई थीं, जिनमें महिलाओं की संख्या अधिक देखने को मिली।

रायगढ़ की बिसाहिन बाई, महासमुंद की केकती और भिलाई की दुर्गा ने बताया, आज महाशिवरात्रि है, दो घंटे लगें या पांच घंटे, बाबा के दर्शन करके ही जाएंगे। इतनी दूर से आए हैं, संगम में स्नान कर अब महादेव के दर्शन का इंतजार कर रहे हैं। वहीं उड़ीसा के धुरवा राम, रायपुर के थानेश्वर और लोकेश साहू, कांकेर के मुन्नालाल तथा गरियाबंद के योगेश कुमार ने कहा कि महाशिवरात्रि पर पंचमुखी कुलेश्वरनाथ महादेव के दर्शन अत्यंत शुभ माना जाता हैं। उन्होंने कहा, विश्व में विरले इस स्वरूप के दर्शन का सौभाग्य मिला है, ऐसे अवसर को छोड़ नहीं सकते।

मंदिर परिसर में हर-हर महादेव के जयघोष से वातावरण भक्तिमय बना रहा। श्रद्धालुओं की आस्था और धैर्य ने महाशिवरात्रि के पर्व को राजिम में और भी विशेष बना दिया।

राजिम कुंभ कल्प में महाशिवरात्रि पर नागा साधुओं सहित साधु संतों ने निकाली शोभायात्रा, पर्व स्नान करने उमड़ी नागा साधु-संतों की भीड़

श्रीकंचनपथ समाचार

राजिम। राजिम कुंभ कल्प मेला के अंतिम दिवस महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर नागा बाबाओं, साधु-संतों, विभिन्न अखाड़ों ने शाही स्नान के लिए ऐतिहासिक शोभायात्रा संत समागम स्थल परिसर से सुबह 7 बजे निकाली। इस शोभा यात्रा में समस्त नागा, साधु-संतों के साथ संस्कृति और पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल, राजिम विधायक रोहित साहू, अभनपुर विधायक इंद्र कुमार साहू, गरियाबंद कलेक्टर बीएस उइके, पुलिस अधीक्षक वेदव्रत सिरमौर, जिला पंचायत सीईओ प्रखर चंद्राकर, राजिम एसडीएम विशाल महाराणा, नगर पालिका अध्यक्ष महेश यादव सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि व विभिन्न विभागों के अधिकारी भी शामिल हुए। शोभायात्रा में सुसज्जित पालकियों शाही बग्गी, घोड़ों में विभिन्न साधु-संत सवार थे।

शोभायात्रा संत समागम स्थल से शुभारंभ होकर श्रीकुलेश्वरनाथ महादेव मंदिर के पीछे मार्ग से नेहरू बाल उद्यान होते हुए, इंदिरा मार्केट, राजिम पुल, पं. सुंदरलाल शर्मा चौक, गौरवपथ राजिम, वीआईपी मार्ग होते हुए मेला परिसर में बने शाही कुंड में पहुंचे। शोभायात्रा का स्वागत दोनों शहर नवापारा और राजिम में विभिन्न चौक चौराहों में फूल बरसा कर किया गया। शोभायात्रा में विभिन्न चौक में अनेकों अस्त्र-शस्त्रों से लैस नागा बाबाओं, साधु-संतों ने शौर्य प्रदर्शन करते हुए अखाडा चलाते रहे। नागा साधुओं के तलवार और फरसा भांजते खुशी से नाचते देखकर मेले में आए अंचलवासी भी रोमांचित हो उठे। धीरे-धीरे आगे बढ़ते हुए शोभायात्रा शाही कुंड के पास पहुंची। यहां नागा साधुओं ने विधि विधान के साथ शस्त्र पूजन पश्चात कुंड में छलांग लगाई।

नागा बाबाओं के साथ मंत्री राजेश अग्रवाल और विधायक रोहित साहू, इंद्र कुमार साहू भी कुंड में डुबकी लगाने के लिए उतर गए। इस दौरान पर्यटन मंत्री ने भगवान दत्तात्रेय की पूजा अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली और सुख समृद्धि की कामना की। शाही स्नान करने विभिन्न अखाड़ों के साथ स्थानीय जनप्रतिनिधि भी शामिल हुए। इस विहंगम दृष्य को देखने मेला क्षेत्र के अलावा कुंड के पास बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं दर्शनार्थियों की भीड़ उमड़ी हुई थी। शाही यात्रा की भव्यता का आनंद लेने विदेशी पर्यटक भी शामिल हुए। सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस की चाकचौबंध व्यवस्था थी। इस शाही यात्रा में श्री पंच दशनामी सन्याशी अखाड़ा के नागा साधु के अलावा विभिन्न अखाड़ों के साधु संत, भैरवी शक्ति, करीब पंथ, सतनाम पंथ के संतों एवं उनके अनुयायी भी शामिल रहे।

इस अवसर पर मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि महाशिवरात्रि पर नागा साधुओं की शाही शोभायात्रा और शाही स्नान ने इस आयोजन को ऐतिहासिक बना दिया है। शाही स्नान के लिए प्रदेश सहित देश के कोने-कोने से साधु-संत पहुंचे हुए हैं। राज्य सरकार राजिम को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है।

महाशिवरात्रि पर आस्था का महासागरः राजिम कुंभ कल्प के समापन दिवस उमड़ा अभूतपूर्व जनसैलाब

टूटा कई वर्षों का रिकार्ड, लोगों ने जमकर की खरीदारी, व्यापारियों के खिले चेहरे

श्रीकंचनपथ समाचार

राजिम। राजिम के त्रिवेणी संगम और नवीन मेला मैदान में आयोजित राजिम कुंभ कल्प में महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर अभूतपूर्व भीड़ उमड़ पड़ी। अंतिम दिवस और रविवार होने के कारण श्रद्धालुओं का सैलाब चरम पर पहुंच गया। पिछले तीन दिनों से लगातार बढ़ती भीड़ ने इस बार कई वर्षों का इतिहास पीछे छोड़ दिया। मेला क्षेत्र में कदम रखने की जगह तक मुश्किल हो गई।

शनिवार रात से ही त्रिवेणी संगम में स्नान के लिए श्रद्धालुओं की निरंतर आवाजाही बनी रही। गरियाबंद, रायपुर और धमतरी जिलों सहित प्रदेशभर से आए श्रद्धालुओं से नदी में बने अस्थायी मार्गों में भारी भीड़ रही। कई स्थानों पर भीड़ का दबाव इतना बढ़ा कि धक्का-मुक्की की स्थिति बन गई। पंचेश्वर मंदिर से लेकर लोमश ऋषि आश्रम तक तथा नवीन मेला मैदान चौबेबांधा क्षेत्र तक श्रद्धालुओं की कतार में नजर आईं।

मीना बाजार, क्राफ्ट बाजार, झूले, मौत का कुआं, जलपरी, वैष्णव देवी धाम, संभागीय सरस मेला और सांस्कृतिक मंच की दर्शक दीर्घा भी पूरी तरह भरी रही। बच्चों और परिवारों की चहल-पहल से पूरा मेला क्षेत्र जीवंत बना रहा। मेला घूमने आए लोगों ने जमकर खरीदारी भी की, जिससे व्यापारियों के चेहरे भी खिले दिखाई दिए।

राजिम कुंभ की प्रसिद्धि अब देश की सीमाओं से दूर पहुंच चुकी है। अमेरिका के पर्यटक जॉनसन और मीरा ने बताया कि भारत भ्रमण के दौरान वे पहली बार छत्तीसगढ़ आए हैं और राजिम कुंभ ने उन्हें अत्यंत प्रभावित किया। उन्होंने इसे छोटा लेकिन अत्यंत सुंदर और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध मेला बताया। इटली और नाइजिरियन सहित अन्य देशों के पर्यटक भी पिछले कई दिनों से मेले की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक आभा में रमे नजर आए।

पूरे मेला परिसर में सुरक्षा के मद्देनजर लगभग 1500 जवान तैनात हैं, जिनमें सैकड़ों महिला पुलिसकर्मी भी शामिल थीं। मेला क्षेत्र में सीसीटीवी कैमरों से सतत निगरानी की जा रही थी। बढ़ते यातायात दबाव के कारण चौड़ी सड़कें भी संकरी पड़ती दिखाई दीं। महाशिवरात्रि पर उमड़ी यह ऐतिहासिक भीड़ राजिम कुंभ कल्प की बढ़ती लोकप्रियता और आस्था की गहराई का प्रमाण बन गई। भक्ति, संस्कृति और जनसहभागिता के संगम के साथ इस वर्ष का राजिम कुंभ कल्प यादगार समापन की ओर अग्रसर हुआ।

राजिम कुंभ कल्प 2026 में भव्य कवि सम्मेलन संपन्न; गूंजे साहित्य और अध्यात्म के स्वर

श्रीकंचनपथ समाचार

राजिम। राजिम में आयोजित राजिम कुंभ कल्प 2026 के पावन अवसर पर त्रिवेणी संगम की धरती साहित्यिक रसधारा से सराबोर हो उठी। आध्यात्मिक वातावरण के बीच आयोजित भव्य कवि सम्मेलन में प्रदेशभर से आए कवियों और साहित्यकारों ने गीत, गजल और कविताओं के माध्यम से श्रोताओं को भाव-विभोर कर दिया।

कार्यक्रम में वरिष्ठ साहित्यकार काशीपुरी 'कुंदन' एवं राष्ट्रपति पुरस्कृत शिक्षक डॉ. मुन्नालाल देवदास 'संतोष व्यास' की गरिमामयी उपस्थिति रही। सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक और भक्ति भाव से ओतप्रोत रचनाओं ने देर रात तक श्रोताओं को बांधे रखा।

छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध गजलकार रत्नांचल जिला साहित्य एवं जनकल्याण समिति गरियाबंद के अध्यक्ष शायर जितेंद्र सुकुमार ''साहिर'' की प्रस्तुति ''मेरी धड़कन है, मेरी जान है राजिम, मेरे छत्तीसगढ़ की शान है राजिम'' पक्तियों की प्रस्तुति दी।

कवयित्री-लेखिका सुश्री सरोज कंसारी ने ''बेटी'' विषय पर एक अत्यंत मर्मस्पर्शी व प्रेरणादायी कविता प्रस्तुत की। उनकी इस रचना ने न केवल श्रोताओं की आंखों को नम किया, बल्कि समाज को एक गहरा संदेश भी दिया, जिसकी उपस्थित जनसमूह व अतिथियों द्वारा मुक्तकंठ से सराहना की। कवि सम्मेलन में रत्नांचल जिला साहित्य एवं जनकल्याण समिति गरियाबंद, प्रयाग साहित्य समिति राजिम, त्रिवेणी साहित्य समिति राजिम-नवापारा और छत्तीसगढ़ी साहित्य समिति तहसील इकाई राजिम सहित विभिन्न साहित्यिक संस्थाओं के सदस्य शामिल हुए।

फगेन्द्र साहू 'मोदी', रेणु शर्मा, विजय कुमार सिन्हा 'बादल', डी.के. तारा, राजेश साहू 'राज', संतोष सोनकर 'मंडल', प्रिया देवांगन 'प्रियू' सहित अनेक रचनाकारों ने अपनी प्रभावशाली प्रस्तुतियां दीं।

खास खबर

हुल्लड़बाजी करने वाले 8 लोगों पर की गई प्रतिबंधात्मक कार्यवाही

रायपुर। राजधानी रायपुर की खमतराई थाना पुलिस ने थानाक्षेत्र में अलग-अलग स्थान पर हुल्लड़बाजी एवं एक दूसरे को गाली गलौज कर लड़ाई झगड़ा करने वाले 6 आरोपियों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक धाराओं के तहत कार्रवाही की गई है। पुलिस उपायुक्त मयंक गुर्जर के निर्देशानुसार अपराधों की रोकथाम, अपराधियों पर नकेल कसने सहित सुरक्षा व शांति व्यवस्था के मद्देनजर अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (नॉर्थ जोन) आकाश मरकाम तथा सहायक पुलिस आयुक्त उरला पूर्णिमा लामा के नेतृत्व में नॉर्थ जोन क्षेत्रांतर्गत थाना प्रभारियों द्वारा अपने-अपने थाना के बलों के साथ लगातार आसमाजिक तत्वो, गुण्डा बदमशो, चाकूबाजों एवं संदिग्ध व्यक्तियों की लगातार चेकिंग की जा रही है। 14फरवरी 2026 को थाना खमतराई को क्षेत्र के अलग-अलग स्थान पर हुल्लड़बाजी एवं एक दूसरे को गाली गलौज कर लड़ाई झगड़ा कर रहे है की सूचना पर मौके पर पहुचकर हुल्लड़बाजी करने वालो को पकड़ा गया अनावेदकों द्वारा आये दिन हुल्लड़बाजी करने एवं गाली गलौज करने से शांति भंग होकर संज्ञेय अपराध घटित होने की पूर्ण संभावना बनी हुई थी तत्काल आरोपियो को गिफ्तार कर प्रतिबंधात्मक धाराओ के तहत कार्यवाही कर जेल निरूद्ध किया गया।

शराब कोचिया पकड़ाया, पौवा देशी शराब जब्त

राजनांदगांव। जिले की थाना डोंगरगांव पुलिस ने अवैध शराब बेचने वाले एक कोचिया को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 32 नग देशी प्लेन शराब शोले जब्त किया है। मामले में आरोपी के विरूद्ध आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही की गई है। 13फरवरी 2026 को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि, एक व्यक्ति मोटर सायकल टीव्हीएस एक्सल सुपर क्रंमाक सीजी 08 व्ही 2194 में मात्रा से अधिक शराब रखकर ग्राम कुमर्दा से चारभाठा की ओर जा रहा है कि, सूचना पर तत्काल कार्यवाही करते हुए थाना डोंगरगांव पुलिस द्वारा निरीक्षक आशीर्वाद राहटगांवकर के नेतृत्व में टीम गठित कर ग्राम कुमर्दा बडा तालाब के पास घेराबंदी कर एक आरोपी को पकडा गया। आरोपी के कब्जे से कुल 32 पौवा देशी शराब शोले कुल 5.760 वल्क लीटर कीमती 2560 रूपये एक मोटर सायकल टीव्हीएस एक्सल सुपर क्रंमाक सीजी 08 व्ही 2194 कीमती 15,000 रूपये कुल किमती 17,560 रूपये जप्त की गई। आरोपी का नाम पूछने पर स्वयं का नाम सुंदरलाल वाल्दे पिता स्व0 मनीराम वाल्दे उम्र 58 वर्ष निवासी ग्राम चारभांठा थाना डोंगरगांव, जिला राजनांदगांव बताया बरामद शराब को मौके पर पंचनामा तैयार कर विधिवत जप्त किया गया।

जमीन विवाद : 14 वर्षीय चचेरे भाई की हत्या

श्रीकंचनपथ न्यूज

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर में जमीन विवाद में चचेरे भाई ने अपने 14 वर्षीय भाई की हत्या कर दी। हत्या के बाद शव को ठिकाने लगा दिया। दो दिन शव मिला तो इलाके में सनसनी फैल गई। घटना की सूचना के बाद पुलिस ने जांच शुरू की और आरोपी चचेरे भाई को गिरफ्तार कर लिया।

घटना 11 फरवरी की है। सूरजपुर के महोरा गांव में मंगलसाय के फोन पर एक अज्ञात व्यक्ति ने कॉल करके कहा कि उसके भांजे लालसाय की हत्या कर दी गई है और उसका शव गहुआ भादा जंगल में पड़ा है। यह सुनते ही परिजन और गांव के लोग जंगल पहुंचे, लेकिन अंधेरा होने के कारण कुछ भी दिखाई नहीं दे सका। 12 फरवरी की सुबह दोबारा खोज शुरू हुई। इस बार गहुआ भादा जंगल से पुल भादा की ओर जाने वाले पगडंडी रास्ते के किनारे लालसाय का शव मिला। उसके गले पर गहरे वार के निशान थे और पहली नजर में ही यह साफ हो गया कि उसकी बेरहमी से हत्या की गई है।

जमीन विवाद पर पुलिस की नजर

परिजनों ने पुलिस को बताया कि परिवार में लंबे समय से जमीन बंटवारे को लेकर झगड़ा चल रहा था। इसी आधार पर पुलिस ने इस एंगल से जांच तेज की। शक की सुई परिवार के ही एक सदस्य देवसाय पण्डो उर्फ देवान पर जाकर टिक गई। उसे हिरासत में लेकर जब पूछताछ हुई तो पूरा सच बाहर आ गया। पूछताछ में देवसाय ने स्वीकार किया कि उसी ने लालसाय की हत्या की। उसने बताया कि 11 फरवरी को वह लालसाय को बहाने से पुल भादा जंगल ले गया था। वहीं दोनों के बीच कहासुनी हो गई। गुस्से में उसने टांगी से लालसाय के गले पर वार किया। चोट लगने के बाद लालसाय जान बचाकर भागा, लेकिन गहुआ भादा की ओर जाकर गिर पड़ा। देवसाय ने उसका पीछा किया और दोबारा वार कर उसकी हत्या कर दी।

गुमराह करने के लिए खुद मामा को किया फोन

हत्या के बाद आरोपी ने लालसाय के मोबाइल से उसके मामा को वही कॉल किया, जिसमें मौत की जानकारी दी गई थी। इसके बाद उसने शक से बचने के लिए मोबाइल को तोड़कर उसकी बैटरी और सिम झाड़ियों में फेंक दिए। इतना ही नहीं, अगले दिन वह खुद ग्रामीणों के साथ मिलकर लालसाय की तलाश करता रहा, ताकि किसी को उस पर शक न हो। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर मृतक का कीपैड मोबाइल, टूटा हुआ सिम कार्ड, बैटरी और हत्या में इस्तेमाल की गई टांगी बरामद कर ली है। देवसाय को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस मामले की आगे की कार्रवाई में जुटी है।

कचरा फेंकने को लेकर विवाद : परिवार के लोगों को किया चापड़ से जख्मी

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। पानी टंकी के नर्सरी नगर में नाली में कचरा फेंकने को लेकर हुए विवाद के बाद कुछ लोगों ने मिलकर एक परिवार के दो से अधिक सदस्यों को जख्मी कर दिया। उन पर चॉपड से हमला किया गया। पीडित पक्ष ने पुलिस पर कार्रवाई करने में ढिलाई बरतने कहां आरोप लगाया। वहीं पुलिस ने इस दावे को खारिज किया। पुलिस ने घटना को कारित करने वाले लोगों के खिलाफअपराध दर्ज किया है।

कोरबा के कोतवाली पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत पानी टंकी नर्सरी नगर में यह घटना हुई। सर्वमंगला मंदिर क्षेत्र में खिलौने बेचकर जीविका चलाने वाले परिवार की सदस्य किरण ने बताया कि पड़ोस के कुछ लोगों ने इस वारदात को अंजाम दिया। इनमें दीपक और और सहयोगी शामिल है। बताया गया कि घर के सामने की डाली में इन लोगों के द्वारा अक्सर कचरा और राख फेंका जा रहा है जिसके कारण समस्या पैदा हो रही है। हमारी ओर से इस मामले में उन लोगों को समझाया गया और ऐसा करने से रोका गया। जिस पर उन्होंने समझने के बजाय बहस की, धमकी दी। किरण ने कहा कि, मुझे घर से मंदिर जाते और आने के दौरान कभी भी गलत काम करने और मारपीट करने की धमकी दी गई। हमने पुलिस को इस बारे में अवगत कराया तो उसने ध्यान नहीं दिया। कुछ घंटे बाद संबंधित लोगों ने घर में घुसकर मारपीट की। वे लोग हाथ मे हथियार जैसा कुछ रखे थे। किरण और उसकी बहन को इस दौरान चोट आई। इस आरोप को लेकर जब कोरबा नगर पुलिस अधीक्षक प्रतीक चतुर्वेदी से बातचीत की गई। पीडित पक्ष की शिकायत मिलने पर कांस्टेबल उन्हें लेकर अस्पताल गए और वहां पर उनका मेडिकल परीक्षण कराया गया। इस घटना को लेकर अपराध दर्ज किया गया है और आगे कार्रवाई की जा रही है।

लूट का विरोध करने पर युवक की हत्या, दो आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर। एमआर-4 रोड, भागीरथपुरा पर 11 फरवरी की रात हुई अंधी हत्या का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। लूट के इरादे से सक्ती निवासी 45 वर्षीय खोजीराम नारंगे की चाकुओं से ताबड़तोड़ 18 वार कर निर्मम हत्या की गई थी। गले पर गहरा चीरा भी लगाया गया था। वारदात के बाद आरोपी उसका पर्स, नकदी और मोबाइल लूटकर फरार हो गए थे। पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। 12 फरवरी को थाना बाणगंगा क्षेत्र में एमआर-4 रोड किनारे शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई थी। मृतक की पहचान खोजीराम पिता लखनलाल नारंगे, निवासी लक्ष्मीबाई रेलवे स्टेशन के सामने, इंदौर के रूप में हुई। वह पोलोग्राउंड स्थित युग कलर लैब में कार्यरत था।

पुलिस ने घटनास्थल और आसपास के 150 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिरों की सूचना से आरोपियों की पहचान हुई। गिरफ्तार आरोपी आर्यन उर्फ लड्डू (निवासी रेडवाल कॉलोनी, बाणगंगा) और भरत (निवासी टाल वाली गली, भागीरथपुरा) हैं। पूछताछ में दोनों ने स्वीकार किया कि उन्होंने खोजीराम को सुनसान रास्ते में रोककर लूटने की कोशिश की थी। विरोध करने पर चाकुओं से अंधाधुंध वार किए, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। आरोपियों ने मृतक का पर्स, नकदी और मोबाइल छीना। मोबाइल ट्रेस न हो इसके लिए सिम निकालकर तोड़ दी और फोन भी क्षतिग्रस्त कर फेंक दिया।

पुलिस ने उनके कब्जे से लूटा गया सामान, वारदात में प्रयुक्त चाकू, मोटरसाइकिल और खून से सने कपड़े बरामद कर लिए हैं। आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) के तहत मामला दर्ज कर उन्हें न्यायालय में पेश किया गया।

दो दिन में 222 वारंट तामील : दुर्ग पुलिस का सघन अभियान, फरार आरोपियों पर कार्रवाई तेज

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिले में लंबित वारंटों की तामीली के लिए दुर्ग पुलिस द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत दो दिनों में बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने 13 और 14 फरवरी को संयुक्त कार्रवाई करते हुए कुल 222 वारंट तामील किए, जिससे फरार आरोपियों पर प्रभावी कार्रवाई की गई।

पुलिस द्वारा जारी जानकारी के अनुसार, अभियान के पहले दिन 13 फरवरी को 32 स्थायी (बेमियादी) वारंट एवं 46 गिरफ्तारी वारंट तामील किए गए। वहीं दूसरे दिन 14 फरवरी को 97 स्थायी (बेमियादी) और 47 गिरफ्तारी वारंट तामील किए गए। इस प्रकार दोनों दिनों में कुल 129 स्थायी और 93 गिरफ्तारी वारंटों की तामीली सुनिश्चित की गई। विशेष अभियान के तहत जिले के सभी थाना एवं चौकी क्षेत्रों में सघन कांबिंग गश्त और पतासाजी की गई। पुलिस टीमों ने फरार वारंटियों की तलाश में लगातार कार्रवाई करते हुए उन्हें गिरफ्तार कर विधिवत न्यायालय में प्रस्तुत किया। इसके साथ ही पूर्व दिवस में 16 ऐसे वारंटियों के मामलों में भी नियमानुसार कार्रवाई पूरी की गई, जिनकी मृत्यु हो चुकी थी। इस अभियान में थाना प्रभारियों, विवेचना अधिकारियों, बीट स्टाफ एवं पेट्रोलिंग टीमों ने समन्वित रूप से कार्य किया, जिससे लंबित वारंटों की त्वरित तामीली संभव हो सकी।

दुर्ग पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि न्यायालयीन आदेशों का सम्मान करें तथा वारंट जारी होने की स्थिति में स्वयं उपस्थित होकर विधिक प्रक्रिया में सहयोग करें। फरार रहने वालों के विरुद्ध कड़ी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

नाबालिक लड़की को शादी का प्रलोभन देकर अनाचार करने वाला आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

कांकेर। नाबालिक लड़की को शादी का प्रलोभन देकर अनाचार करने वाले आरोपी को कोरर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। घटना कारित कर छुपे आरोपी को अंबिकापुर से पकड़कर लाया गया। मिली जानकारी के अनुसार 13 जनवरी को प्रार्थी द्वारा थाना आकर लिखित आवेदन पेश कर रिपोर्ट दर्ज कराया कि, उसकी नाबालिक लड़की को अज्ञात आरोपी द्वारा बहला फुसला कर भगा ले जाने की सूचना पर थाना कोरर में अप.क्र -21/2026 ,धारा 137(2) बीएनएस कायम कर विवेचना में लिया गया।

मामले की गंभीरता को देखते

हुए निखिल राखेचा (भापुसे.) पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में, योगेश साहू अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कांकेर के मार्गदर्शन में, मोहसिन खान अनुविभागीय अधिकारी पुलिस कांकेर के पर्यवेक्षण में, थाना कोरर द्वारा विशेष टीम गठित की जाकर आरोपी एवं अपहृता के बारे में पता तलाश हेतु रवाना हुई।

आरोपी द्वारा नाबालिक अपहृता को धमतरी में रखना बताने पर थाना कोरर पुलिस द्वारा टीम बनाकर धमतरी पहुंचकर अपहृता को बरामद किया। बाद आरोपी को अंबिकापुर में रहना पता चलने पर विशेष टीम को अंबिकापुर भेजकर आरोपी को पकड़कर थाना लाया गया ,जो आरोपी के द्वारा अपराध घटित करना स्वीकार करने से आरोपी को गिरफ्तार कर 15फरवरी 2026 को न्यायिक रिमाण्ड पर जेल भेजा गया। आरोपी अनिल कुमार मंडावी पिता स्व. डोमार सिंह मंडावी उम्र 29 वर्ष निवासी जोधापुर वार्ड (17) थाना सिटी कोतवाली धमतरी जिला धमतरी।

राहगीर से मारपीट और लूट का आरोपी गिरफ्तार

राजनांदगांव। लूट की घटना को अंजाम देकर फरार हुए आरोपी को बसंतपुर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी करीब महीनेभर से फरार था। बसंतपुर पुलिस ने बताया कि 18 जनवरी की दोपहर मोहारा शराब दुकान रोड में राहगीर से मारपीट कर 3200 रुपए की लूट कर ली गई थी। मामले की शिकायत के बाद पुलिस ने वारदात को अंजाम देने वाले सौरभ मानिकपुरी को पुलिस ने तत्काल गिरफ्तार कर लिया। लेकिन दूसरा आरोपी देव यदु फरार हो गया था। जिसे रविवार को पुलिस ने मोहारा क्षेत्र से ही गिरफ्तार किया है। आरोपी को न्यायिक रिमांड में भेज दिया गया है। आरोपी पर पूर्व में भी कई मामले दर्ज हैं।

24 गौवंश तस्करों से मुक्त, पिकअप और बाइक जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। सीमावर्ती जिलों से होकर मवेशी तस्करी पर अंकुश लगाने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन पर विशेष निगरानी रखते हुए पुलिस द्वारा लगातार गश्त और नाकेबंदी की जा रही है। इसी कड़ी में पुलिस चौकी जोबी को सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति मोटरसाइकिल से पायलेटिंग करते हुए मवेशी तस्करों के साथ उनके पिकअप वाहन में मवेशियों को क्रूरतापूर्वक लादकर ले जा रहा है। सूचना पर तत्काल कार्रवाई करते हुए चौकी प्रभारी जोबी सहायक उप निरीक्षक लक्ष्मी नारायण राठौर ने वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराकर उनके मार्गदर्शन में स्टाफ के साथ अटल चौक पर नाकेबंदी की। कुछ समय पश्चात सक्ती की ओर से एक बिना नंबर लाल-काले रंग की होंडा साइन मोटरसाइकिल को रोका गया, जिसका चालक अपना नाम भूपेंद्र यादव, निवासी सिंगीबहार थाना तपकरा जिला जशपुर बताया। उसके पीछे आ रहे पिकअप वाहन को रोककर जांच करने पर चालक पवन राम निवासी बधीमा जिला जशपुर तथा उसके साथ परमेश्वर यादव निवासी सिंगीबहार थाना तपकरा जिला जशपुर मिले।

वाहन की तलाशी लेने पर उसमें 10 नग गौवंश को रस्सियों से बांधकर क्रूरतापूर्वक उड़ीसा के बुचड़खाने ले जाने की तैयारी पाई गई। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से पिकअप वाहन कीमत 6 लाख रुपये, 10 नग गौवंश कीमत 2.55 लाख रुपये तथा होंडा साइन मोटरसाइकिल कीमत 1 लाख रुपये, कुल 9 लाख 55 हजार रुपये की संपत्ति जप्त कर आरोपियों के विरुद्ध पुलिस चौकी जोबी में छत्तीसगढ़ कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम की धारा 4, 6, 10, 11 तथा पशु क्रूरता निवारण अधिनियम की धारा 11 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। गिरफ्तार आरोपी 01- पवन राम पिता जलघर उम्र 21 साल निवासी बधीमा थाना सिटी कोतवाली जिला जशपुर 02- परमेश्वर यादव पिता ईश्वर उम्र 26 साल निवासी सिंगीबहार थाना तपकरा जिला जशपुर 03 - भूपेद यादव पिता शैलेद्र यादव उम्र 25 साल निवासी सिंगीबहार थाना तपकरा जिला जशपुर।

महाशिवरात्रि पर्व के दिन मटन विक्रय करने वाले के विरुद्ध की गई कार्यवाही

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ शासन, पर्यावरण एवं नगरीय प्रशासन विभाग रायपुर द्वारा जारी आदेश के अनुपालन में रविवार को महाशिवरात्रि पर्व के उपलक्ष्य में पशुगृह एवं समस्त मांस-मटन विक्रय की दुकानों को बंद रखने के निर्देश दिए गए थे। आदेशानुसार उक्त दिवस पर किसी भी दुकान में मांस विक्रय पाए जाने पर मांस जप्त कर संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही किए जाने हेतु निर्देशित किया गया था।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार अधीक्षक राजनांदगांव अंकिता शर्मा (भा.पु.से.) के मार्गदर्शन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर तथा नगर पुलिस अधीक्षक वैशाली जैन

(भा.पु.से.) के निर्देशन में थाना प्रभारी बसंतपुर निरीक्षक एमन साहू के नेतृत्व में थाना क्षेत्र में महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर मांस-मटन विक्रय की रोकथाम हेतु टीम गठित कर निगरानी की जा रही थी।

इसी दौरान सूचना प्राप्त हुई कि मुस्तकीन कुरैशी पिता शेर मोहम्मद, निवासी कसाईपारा थाना कोतवाली, कमला कॉलेज रोड के पास ठेला लगाकर मटन विक्रय हेतु खड़ा है। पुलिस दल को आते देखकर वह मटन छिपाने लगा। पेट्रोलिंग पार्टी द्वारा मना करने पर वह विवाद एवं झगड़ा करने पर उतारू हो गया।

अनावेदक को मौके पर गिरफ्तार कर उसके विरुद्ध धारा 170, 126, 135(3) भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत इस्तगाशा तैयार कर माननीय एसडीएम न्यायालय राजनांदगांव के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

उक्त कार्यवाही में निरीक्षक एमन साहू (थाना प्रभारी बसंतपुर), उप निरीक्षक देवादास भारती, प्रधान आरक्षक दीपक जायसवाल एवं आरक्षक अतहर अली की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

आरोपी का नाम - मुस्तकीन कुरैशी पिता शेर मोहम्मद, उम्र 20 वर्ष, निवासी कसाईपारा वार्ड क्रमांक 20, थाना कोतवाली, जिला राजनांदगांव।

चालक की लापरवाही से गर्भवती महिला की मौत, दो लाख के मुआवजे पर हुआ समझौता

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। जिले के हरदीबाजार क्षेत्र में एक वाहन से गर्भवती महिला शशि सूर्यवंशी की मृत्यु के मामले में ग्रामीणों द्वारा किया गया चक्काजाम अर्ध रात्रि समाप्त हो सका। वाहन मालिक और प्रशासन द्वारा कुल 2 लाख 15 हजार का मुआवजा फौरी तौर पर देना तय हुआ। अब आगे की कार्यवाही की जा रही हैं। जानकारी के अनुसार शनिवार को दोपहर मुड़ापार बाजार क्षेत्र में यह घटना भोलाराम सूर्यवंशी के घर हुई थी। बुडगहन के रास्ते जा रहे हाईवा अनियंत्रित हो एक घर में जा घुसा। शशि सूर्यवंशी नामक महिला इस घटना की चपेट में आयी और उसकी मृत्यु हो गई। परिजनों और ग्रामीणों ने मृतका का शव रखकर कई घंटे प्रदर्शन किया और चुनौतियां खड़ी

कर दी। इसके चलते दोनों तरफ से रास्तों पर आवाजाही बाधित रही। सैकड़ों की संख्या में वाहनों की लाइन लगने से परेशानियां बढ़ीं।

सीएसपी दर्री विमल पाठक, तहसीलदार राजभानू के अलावा अन्य प्रशासनिक अधिकारी सहित हरदीबाजार, कुसमुंडा और दीपका थाने के टीआई ने यहां पर मोर्चा संभाला। अंतिम रूप से वाहन मालिक ने यहां पहुंचकर मृतका शशि सूर्यवंशी के परिजनों को दो लाख रूपए मुआवजा देना तय किया। वहीं अंतिम संस्कार के लिए प्रशासन की ओर से 15 हजार रूपए दिए गए। इस विकल्प को उचित मानते हुए जाम समाप्त किया गया और आवागमन बहाल किया गया। बताया गया कि मृतका के जीवन बीमा का क्लेम दिलवाने के लिए प्रशासन आगे अपनी ओर से भरपूर सहयोग करेगा। अभी रोजगार को लेकर कोई चर्चा मौके पर नहीं हुई।

कुएं में गिरने से युवक की मौत, दो दिन बाद मिला शव

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुरनगर। बगीचा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम लघुटरी में 20 वर्षीय युवक की कुएं में गिरकर मौत हो गई। बताया जा रहा है कि शव पिछले दो दिनों से कुएं में पड़ा था, जिसकी जानकारी रविवार को तब हुई जब एक कृषक सिंचाई के लिए पानी भरने कुएं के पास पहुंचा। लघुटरी निवासी नरहरी (20 वर्ष), पिता मधुसूदन नगेशिया, पिछले दो दिनों से घर से लापता था। परिजन उसकी तलाश कर रहे थे, लेकिन कोई पता नहीं चल सका था। रविवार को गांव का ही एक कृषक खेत की सिंचाई के लिए कुएं से पानी भरने पहुंचा, तो उसने कुएं में तैरता हुआ शव देखा।

देखते ही देखते गांव में हड़कंप मच गया और ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर बगीचा पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से शव को कुएं से बाहर निकलवाया और उसकी पहचान नरहरी नगेशिया के रूप में की। परिजनों ने पुष्टि की कि युवक दो दिनों से लापता था। आशंका है कि अंधेरे या असावधानी के कारण वह कुएं में गिर गया होगा और समय पर मदद न मिलने से उसकी मौत हो गई। बगीचा पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

मवेशी चराने गई महिला फ्लाईएश में झुलसी, मौत

रायगढ़। रायगढ़ भूपदेवपुर थाना क्षेत्र में मवेशी चराने गई एक बुजुर्ग महिला की झुलसने से मौत हो गई। जानकारी के अनुसार झूलमति राठिया (60 वर्ष), निवासी डोंगाढकेल, 9 फरवरी की सुबह गाय चराने जिंदल राखड़ डंपिंग यार्ड की ओर गई थीं। चराई के दौरान मवेशी चलते-चलते फ्लाईएश के ढेर पर चढ़ने लगे।

उन्हें वहां से हटाने के लिए महिला पीछे-पीछे भागी, इसी बीच वह गर्म राख में जा गिरी। हादसे में उसकी कमर से ऊपर पेट तक गंभीर जलन हो गई। स्थानीय लोगों ने उसे तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां बीते दिनों से इलाज चल रहा था। गंभीर झुलसन के कारण महिला ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। अस्पताल प्रशासन की सूचना पर सिटी कोतवाली पुलिस ने मर्ग दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

खास खबर

रतनपुर महामाया मंदिर के कुंड में फिर मृत मिले 4 कछुए

बिलासपुर। रतनपुर स्थित प्रसिद्ध मां महामाया मंदिर के पवित्र कुंड में एक बार फिर कछुओं की संदिग्ध मौत का मामला सामने आया है। शुक्रवार शाम कुंड के पानी में चार कछुए मृत अवस्था में पाए गए। सालभर पहले इसी कुंड में जाल में फंसने से 30 कछुओं की जान गई थी। रतनपुर वन परिक्षेत्राधिकारी ने टीम के साथ शवों को कब्जे में लिया और उच्चाधिकारियों को सूचना दी। मृत कछुओं में एक की उम्र करीब 3 से 4 वर्ष और शेष तीन की उम्र 1 से 1.5 वर्ष के बीच है। कानन पेंडारी जू के वन्य प्राणी चिकित्सक डॉ. पीके. चंदन द्वारा किए गए पीएम में प्रारंभिक तौर पर अंदरूनी चोटें सामने आई है। विशेषज्ञों के अनुसार कछुओं के निचले हिस्से पर 8-10 दिन पुराने जख्म हैं।

शतायु चांटीडीह मेले से झूले-सर्कस गायब, सिर्फ यादें शेष

बिलासपुर। चांटीडीह का ऐतिहासिक महाशिवरात्रि मेला अब धीरे-धीरे अपनी रौनक खोता जा रहा है। 1923 में बने प्राचीन शिव मंदिर का यह मेला कभी जिले का सबसे बड़ा धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन था। उस समय एक लाख से अधिक श्रद्धालु मंदिर आते थे, अब भीड़ घटकर करीब 10 हजार रह गई है। पहले मंदिर परिसर के बाहर फैले मैदानों में मेला दूर-दूर तक नजर आता था। 400 से ज्यादा दुकानें, ऊंचे-ऊंचे झूले, मौत का कुआं, सर्कस और खिलौनों की कतार हर उम्र के लोगों को लुभाती थी। रातभर भजन-कीर्तन के साथ मेला चलता था। लेकिन समय ने सब बदल दिया।

दीमक की बांबी से तैयार ज्योतिर्लिंगों का किया पूजन

जगदलपुर। महाशिवरात्रि इस वर्ष दुर्लभ ज्योतिषीय संयोगों के बीच जिलेभर में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। इस वर्ष महाशिवरात्रि पर व्यातिपात योग, सर्वार्थ सिद्धि योग एवं जयद् योग का दुर्लभ संयोग बना हुआ था। लक्ष्मी नारायण मंदिर में मौजूद भूतेश्वर मंदिर में महापौर संजय पांडेय के साथ ही अन्य श्रद्धालुओं ने दीमक की बांबी से बनाई गई ज्योतिर्लिंगों की विशेष पूजा-अर्चना की गई। भक्तों ने परिवार की सुख-समृद्धि और शांति की कामना की।

शिव आरती, दीपोत्सव, गंगा आरती और भव्य आतिशबाजी के साथ पाली महोत्सव 2026 का हुआ भव्य शुभारंभ

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। ऐतिहासिक नगरी पाली में आज महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर पाली महोत्सव 2026 का शुभारंभ शिव आरती, दीपोत्सव और भव्य आतिशबाजी के साथ हुआ। हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति में शाम लगभग 7 बजे पाली शिव मंदिर घाट में शिव आरती और दीपोत्सव ने समां बांध दिया। पाली के ऐतिहासिक शिव मंदिर और सरोवर के चारो ओर दीपों की जगमगाती रोशनी और शांत माहौल में धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक विरासत का मेल दिखाई दिया। मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ शासन के वाणिज्य, श्रम, उद्योग, आबकारी एवं सार्वजनिक उपक्रम मंत्री लखन लाल देवांगन के

मुख्य आतिथ्य में दीपोत्सव का भव्य आयोजन हुआ। इस दौरान गंगा आरती, धूप आरती के साथ धार्मिक माहौल दिखाई दिया। मंत्री श्री देवांगन सहित अन्य अतिथियों ने पाली के ऐतिहासिक मंदिर में पूजा अर्चना भी किया और सभी के सुख समृद्धि की कामना की।

इस दौरान विधायक कटघोरा प्रेमचंद पटेल, विधायक पाली-तानाखार तुलेश्वर हीरा सिंह मरकाम, कोरबा महापौर संजू देवी राजपूत, जिला पंचायत उपाध्यक्ष निकिता मुकेश जायसवाल, नगर पंचायत पाली के अध्यक्ष अजय जायसवाल तथा ग्राम पंचायत केराझरिया की सरपंच गिरजा सत्यनारायण पैंकरा, पार्षद नरेन्द्र देवांगन अन्य जनप्रतिनिधि विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

आत्मनिर्भरता और तकनीकी समृद्धि की नई राह खोलेगा एग्रीटेक कृषि मेलाः गुरु खुशवंत साहेब

जाज्वल्यदेव लोक महोत्सव एवं एग्रीटेक कृषि मेला 2026 का भव्य समापन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। जांजगीर-चांपा जिला में 11 से 13 फरवरी तक शासकीय हाईस्कूल मैदान, जांजगीर एवं कृषि विज्ञान केन्द्र, जर्वे में आयोजित तीन दिवसीय जाज्वल्यदेव लोक महोत्सव एवं एग्रीटेक कृषि मेला 2026 का समापन कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार तथा अनुसूचित जाति विकास मंत्री गुरु खुशवंत साहेब के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ।

समापन अवसर पर अतिथियों द्वारा जाज्वल्या 2026 स्मारिका का विमोचन किया गया। साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले स्कूली छात्र-छात्राओं एवं स्थानीय कलाकारों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में पंथी नृत्य एवं मल्लखंभ की आकर्षक प्रस्तुतियां भी दी गईं।

कृषि एवं तकनीक के बेहतर उपयोग से समृद्धि का मार्ग हो रहा प्रशस्त

समारोह को संबोधित करते हुए मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने कहा कि एग्रीटेक कृषि मेला 2026 किसानों और युवाओं के लिए नवाचार का महत्वपूर्ण मंच सिद्ध हुआ है। उन्होंने कहा कि जांजगीर-चांपा कृषि की समृद्ध धरती है, जहां परंपरा और आधुनिक तकनीक का सुंदर समन्वय देखने को मिलता है।

उन्होंने कहा कि ड्रोन तकनीक, आधुनिक कृषि उपकरणों एवं नवीन तकनीकों के उपयोग से किसानों की आय में वृद्धि होगी तथा युवाओं को एग्री-उद्यमी बनने की प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जिले के कृषक तकनीकी नवाचार अपनाकर आत्मनिर्भरता की दिशा में अग्रसर होंगे।

मंत्री ने दिया सामाजिक न्याय और कौशल विकास पर जोर

मंत्री श्री साहेब ने कहा कि समाज का कोई भी वर्ग मुख्यधारा से पीछे न रहे, यह सरकार का संकल्प है। कौशल विकास एवं आर्थिक अवसरों के माध्यम से सामाजिक न्याय सुनिश्चित किया जा रहा है, ताकि योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। उन्होंने आधुनिक तकनीक, विशेषकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए युवाओं से एआई एवं नई तकनीकों में दक्ष बनने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में किसानों के लिए निरंतर प्रयास

मंत्री श्री साहेब ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि राज्य सरकार किसानों की समृद्धि के लिए प्रतिबद्ध है। धान के समर्थन मूल्य से लेकर नई कृषि नीतियों तक अनेक योजनाएं किसानों के हित में संचालित की जा रही हैं। साथ ही छत्तीसगढ़ी लोक कला एवं संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए भी सतत प्रयास किए जा रहे हैं।

जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों की रही गरिमामयी उपस्थिति

समापन समारोह में जांजगीर-चांपा विधायक श्री ब्यास कश्यप, पूर्व नेता प्रतिपक्ष श्री नारायण चंदेल, अध्यक्ष खनिज विकास निगम श्री सौरभ सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष इंजी. सत्यलता आनंद मिरी, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रेखा देवागढ़वाल, पूर्व सांसद श्रीमती कमला देवी पाटले, पूर्व सांसद श्री गुहाराम अजगल्ले सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

इसके अतिरिक्त कलेक्टर जन्मेजय महोबे, पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पांडेय, जिला पंचायत सीईओ गोकुल रावटे, अपर कलेक्टर ज्ञानेन्द्र सिंह ठाकुर सहित बड़ी संख्या में अधिकारी, किसान एवं आमजन कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।

दोहराया विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण का संकल्प

कार्यक्रम के अंत में मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने जाज्वल्यदेव लोक महोत्सव एवं एग्रीटेक कृषि मेला 2026 के सफल आयोजन के लिए आयोजकों एवं प्रतिभागियों को बधाई देते हुए विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण का संकल्प दोहराया। गुरू खुशवंत साहेब ने कहा कि किसानों और युवाओं का यह आयोजन प्रदेश में कृषि, तकनीक और लोक संस्कृति के समन्वित विकास का प्रतीक बनकर उभरा है। किसान खुशहाल होंगे तो राज्य तेजी से विकास की राह पर चलेगा।

नक्सलवाद पूरी तरह समाप्त करने सरकार प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णु देव साय कहा, कि राज्य में नक्सलवाद को समाप्त करने के लिए सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार का लक्ष्य है कि 31 मार्च तक नक्सलवाद पूरी तरह समाप्त हो जाए और राज्य के विकास की राह में कोई बाधा न रहे। बस्तर क्षेत्र पिछले चार दशकों से विकास से अछूता रहा है और अब इसे तेजी से विकास की ओर अग्रसर करना प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि अब राज्य सरकार इन क्षेत्रों में विशेष ध्यान दे रही है और स्थानीय लोगों की भागीदारी सुनिश्चित कर रही है।

वहीं, सीएम साय ने छत्तीसगढ़ में हुई धान खरीदी को लेकर भी बयान दिया। मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने और कृषि क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिए गंभीर प्रयास कर रही है। इस साल राज्य में 25 लाख 24 हजार किसानों का धान खरीदा गया। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि किसानों को उनकी धान की अंतर की राशि होली से पहले वितरित कर दी जाएगी। इसका उद्देश्य न केवल किसानों की वित्तीय स्थिति मजबूत करना है, बल्कि उन्हें समय पर उनकी कमाई उपलब्ध कराकर आर्थिक सुरक्षा भी प्रदान करना है।

संगठित-जागरूक समाज से विकास को मिलती है गति : साय

अन्नदाता भाइयों और बहनों की समृद्धि ही सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर कोसमनारा धाम में आयोजित स्थापना दिवस एवं शपथ ग्रहण समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि समाज जब संगठित और जागरूक होता है, तब विकास को वास्तविक मजबूती मिलती है। साहू समाज की एकजुटता, शिक्षा और समर्पण प्रदेश के सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में समाज की सक्रिय भागीदारी अनिवार्य है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि समर्थन मूल्य पर धान बेचने वाले 25 लाख से अधिक किसानों को 3100 प्रति क्विंटल की दर से अंतर राशि होली से पूर्व एकमुश्त प्रदान की जाएगी। लगभग 10,000 करोड़ की राशि सीधे किसानों के खातों में अंतरित की जाएगी। उन्होंने कहा कि अन्नदाता भाइयों-बहनों की समृद्धि ही सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और सरकार किसानों के परिश्रम का सम्मान सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

इससे पूर्व मुख्यमंत्री श्री साय ने कोसमनारा स्थित श्री श्री 108 सत्यनारायण बाबा जी एवं भक्त माता कर्मा-कृष्ण मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की तथा महाशिवरात्रि की शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि 16 फरवरी 1998 से पूज्य सत्यनारायण बाबा खुले आकाश के नीचे निरंतर तपस्या में लीन हैं। तीनों ऋतुओं में 28 वर्षों से अधिक समय तक साधना करना अत्यंत अद्वितीय और प्रेरणादायक है। यह धाम सामाजिक समरसता, आस्था और भाईचारे का सशक्त प्रतीक बन चुका है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा जी के आशीर्वाद से उन्हें चार बार सांसद रहने का अवसर मिला और आज मुख्यमंत्री के रूप में सेवा का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। उन्होंने बाबा भोलेनाथ एवं बाबा सत्यनारायण से प्रदेशवासियों पर निरंतर कृपा बनाए रखने की कामना की।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने कोसमनारा स्थित कर्मा साहू सामुदायिक भवन के ऊपर अतिरिक्त निर्माण के लिए 50 लाख की घोषणा की। साथ ही उन्होंने श्री रामलला दर्शन योजना एवं मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि इन योजनाओं के माध्यम से प्रदेशवासियों को अयोध्या सहित देश के प्रमुख तीर्थ स्थलों की यात्रा का अवसर मिल रहा है।

समारोह में समाज कल्याण में उत्कृष्ट योगदान के लिए त्रिभुवन साहू, भरत लाल साहू, कपिल नाथ, अरुणा साहू, मनोज साहू एवं वेदराम साहू को सम्मानित किया गया। कोरबा जिला साहू संघ की पत्रिका तथा बाबा सत्यनारायण चालीसा का विमोचन भी किया गया।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने महाशिवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि साहू समाज की एकजुटता विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कोसमनारा धाम के विकास हेतु लगभग डेढ़ करोड़ रुपये के प्रस्तावित कार्यों की जानकारी दी। साहू समाज के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. नीरेंद्र साहू ने बिलासपुर संभाग के सात जिलों के नव निर्वाचित जिला साहू संघ पदाधिकारियों को शपथ दिलाई।

कार्यक्रम में लोकसभा सांसद श्री राधेश्याम राठिया, कसडोल विधायक संदीप साहू, जैजैपुर विधायक बालेश्वर साहू, नगर निगम महापौर जीवर्धन चौहान, पूर्व सांसद लखनलाल साहू, तेलघानी बोर्ड अध्यक्ष जितेंद्र साहू, डिग्रीलाल साहू सहित बिलासपुर संभाग के सात जिलों के नव निर्वाचित पदाधिकारी, बाबा सत्यनारायण की माता हंसमती देवी, संभागायुक्त सुनील जैन, आईजी रामगोपाल गर्ग, कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह सहित अन्य अधिकारीगण स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

सरगुजा ओलंपिक के जिला स्तरीय आयोजनों में 10,577 खिलाड़ियों ने दी अपनी भागीदारी

जूनियर और सीनियर वर्ग में 12 खेलों में दिखाया कौशल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में पहली बार हो रहे सरगुजा ओलंपिक के जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं में संभाग के सभी 6 जिलों के कुल 10 हजार 577 खिलाड़ियों ने अपने दमखम और खेल कौशल का प्रदर्शन किया। सरगुजा ओलंपिक के अंतर्गत विकासखंड स्तर पर आयोजित स्पर्धाओं के विजेता खिलाड़ियों ने अपने-अपने जिला मुख्यालयों में आयोजित जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं में पूरे उत्साह, जोश और जज्बे के साथ हिस्सेदारी की। सरगुजा संभाग के सभी जिला मुख्यालयों में 5 फरवरी से 13 फरवरी के बीच अलग-अलग तिथियों में इनका आयोजन किया गया था।

सरगुजा ओलंपिक के जिला स्तरीय आयोजनों में 12 खेलों में 10 हजार 577 खिलाड़ियों ने अपने खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इनमें कोरिया जिले के 510, जशपुर के 3126, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के 706, सरगुजा के 1797, बलरामपुर-रामानुजगंज के 2424 तथा सूरजपुर जिले के 2014 खिलाड़ी शामिल थे। जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं के विजेता अब संभाग स्तरीय आयोजन में अपनी चमक बिखेरेंगे। सरगुजा ओलंपिक के संभाग स्तरीय विजेताओं को खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा राज्य में संचालित खेल अकादिमों में सीधे प्रवेश दिया जाएगा। साथ ही उन्हें यूथ आइकॉन भी घोषित किया जाएगा। ये यूथ आइकॉन बच्चों व युवाओं को खेलों से जुड़ने के लिए प्रेरित करेंगे।

सरगुजा ओलंपिक के जिला स्तरीय आयोजनों में खिलाड़ियों ने 5 व्यक्तिगत और 7 दलीय खेलों में हिस्सेदारी की। व्यक्तिगत स्पर्धाओं में एथलेटिक्स (100, 200, 400 मीटर दौड़, लंबी कूद, ऊंची कूद, शॉटपुट, डिस्कस थ्रो, जैवलिन थ्रो, 400 मीटर रिले), तीरंदाजी (इंडियन राउंड), बैडमिंटन, कुश्ती और कराटे शामिल रहे। वहीं दलीय खेलों में फुटबॉल, हॉकी, कबड्डी, खो-खो, वॉलीबॉल, रस्साकसी और बास्केटबॉल शामिल हैं। सभी प्रतियोगिताएं जूनियर वर्ग (14 से 17 वर्ष, बालक/बालिका) तथा सीनियर वर्ग (18 वर्ष से अधिक, महिला/पुरुष) में आयोजित की गईं। सरगुजा ओलंपिक के पहले चरण में विकासखंड स्तरीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने सरगुजा संभाग के सभी 32 विकासखंडों के कुल 3 लाख 49 हजार 370 खिलाड़ियों ने अपना पंजीयन कराया था। इनमें 1,59,712 पुरुष और 1,89,658 महिला खिलाड़ी शामिल थीं।

मुख्यमंत्री ने कुलेश्वर महादेव और भगवान राजीव लोचन से मांगा छत्तीसगढ़ की समृद्धि का आशीर्वाद

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने धर्म नगरी राजिम में आयोजित राजिम कुंभ कल्प 2026 के भव्य समापन अवसर पर सर्वप्रथम प्राचीन एवं ऐतिहासिक राजीव लोचन मंदिर पहुंचकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। भगवान श्री राजीव लोचन के श्रीचरणों में नमन करते हुए उन्होंने समस्त प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और खुशहाली की मंगलकामना की। उन्होंने कहा कि यह पावन तीर्थ हमारी सनातन आस्था, सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक समरसता का जीवंत प्रतीक है।

इसके पश्चात मुख्यमंत्री श्री साय ने त्रिवेणी संगम के मध्य स्थित कुलेश्वरनाथ महादेव मंदिर में जलाभिषेक कर भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने प्रदेश की निरंतर प्रगति, शांति और समृद्धि की कामना करते हुए कहा कि राजिम कुंभ कल्प केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि हमारी आध्यात्मिक ऊर्जा, सांस्कृतिक एकता और लोक परंपराओं का विराट उत्सव है, जो समाज को एक सूत्र में पिरोता है।

मंदिर दर्शन के उपरांत मुख्यमंत्री श्री साय महानदी तट पर आयोजित भव्य महाआरती में शामिल हुए। वैदिक मंत्रोच्चार, शंखध्वनि और दीपों की पावन ज्योति से आलोकित वातावरण ने पूरे संगम क्षेत्र को दिव्य आभा से भर दिया। मुख्यमंत्री श्री साय ने श्रद्धापूर्वक महानदी मैया की आरती उतारकर प्रदेश की उन्नति और समृद्धि के लिए प्रार्थना की।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि राजिम कुंभ कल्प हमारी परंपराओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का माध्यम है और यह सामाजिक सद्भाव, विश्वास तथा समरसता को सुदृढ़ करता है।

इस अवसर पर खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री दयालदास बघेल, पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल, सांसद रूपकुमारी चौधरी, राजिम विधायक रोहित साहू, अभनपुर विधायक इंद्र कुमार साहू सहित अनेक जनप्रतिनिधि, साधु-संत एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

पांच पिंड महादेव मंदिर में महाशिवरात्रि पर लगी भक्तों की लंबी कतार

कोरबा। पांच पिंड महादेव मंदिर में पुरानी बस्ती में महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर भक्तों की लंबी कतार देखने को मिली। कमला नेहरू कॉलेज के पीछे हसदेव नदी के तट पर स्थित मंदिर को भोले सेवा समिति के सदस्यों द्वारा आकर्षक और अद्भुत सजावट से सजाया गया, जिससे पूरा परिसर भक्तिमय वातावरण में रंग गया।

महाशिवरात्रि के अवसर पर सुबह से ही श्रद्धालु भगवान भोलेनाथ के दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए मंदिर पहुंचते रहे। भक्तों ने पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ भगवान शिव का जलाभिषेक एवं दुग्धाभिषेक कर सुख-समृद्धि की कामना की। इस आयोजन को सफल बनाने में वार्डवासियों का भी सराहनीय सहयोग भोले सेवा समिति को मिला। समिति के सदस्यों ने भक्तों की सुविधा के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कीं।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950